जैन विश्व भारती

(मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था)

स्वर्ण जयंती वर्ष
1971-2021

मंत्री प्रतिवेदन

2020-2021

अर्हम्

जैन विश्व भारती एक विराट स्वरुप वाली संस्था है। परमपूज्य गुरुदेव तुलसी के आचार्यकाल में जन्मी इस संस्था ने विकास का प्रयास किया है। यह संस्था केवल आकार में ही बड़ी नहीं है, प्रकार में भी बड़ी है। कामधेनु और जय कुंजर से उपमित यह संस्था ज्ञान का दुग्धामृत और आरोहण का आश्रय बनी रहे। क्रमशः आध्यात्मिक प्रगति करती रहे। मंगलकामना।

भीलवाड़ा, राजस्थान

06.09.2021

आचार्य महाश्रमण

जैन विश्व भारती

पोस्ट : लाडनूं- 341306, जिला नागौर (राजस्थान)

संपर्क सूत्र : 01581-226080/224671

E-mail : jainvishvabharati@yahoo.com, ladnun@jvbharati.org

जैन विश्व भारती की 50वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना

मान्यवर,

सादर जय जिनेन्द्र,

जैन विश्व भारती की 50वीं वार्षिक साधारण सभा सोमवार, दिनांक 27 सितम्बर 2021 को मध्यान्ह 3.30 बजे आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, भीलवाड़ा, राजस्थान में होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विचार किया जाएगा–

1. जैन विश्व भारती की 49वीं वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही का पठन और स्वीकृति।
2. जैन विश्व भारती के वर्ष 2020–21 के मंत्री के वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार एवं स्वीकृति।
3. जैन विश्व भारती के दिनांक 01 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक के हिसाब परीक्षक द्वारा अंकेक्षित आय–व्यय लेखा एवं संतुलन पत्र का प्रस्तुतीकरण तथा स्वीकृति।
4. आगामी एक वर्ष हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति।
5. आए हुए सुझावों एवं प्रस्तावों पर विचार।
6. विविध– अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।
7. धन्यवाद ज्ञापन।

जैन विश्व भारती की वार्षिक साधारण सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है। कोरम के अभाव में स्थगित सभा उसी दिन और उसी स्थान पर आधा घण्टे पश्चात् आयोाजित होगी।

भवदीय

प्रमोद बैद
मंत्री

दिनांक : 28 अगस्त 2021

विशेष : सम्मानित सदस्यगणों से निवेदन है कि आय–व्यय लेखा एवं संतुलन पत्रक संबंधी कोई भी जिज्ञासा हमें दिनांक 23 सितम्बर तक ई–मेल द्वारा अथवा पोस्टल से प्रेषित करें ताकि साधारण सभा में समुचित प्रत्युत्तर प्रदान कर जिज्ञासा का समाधान किया जा सके।

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष और मंत्री एवं उनके कार्यकाल

अध्यक्ष	कार्यकाल	मंत्री
श्री मोहनलाल बांठिया	1970–1972	श्री सूरजमल गोठी
श्री खेमचंद सेठिया	1972–1974	श्री महावीरराज गेलड़ा (1972–1973)
श्री खेमचंद सेठिया	1974–1976	श्री संपतराज भूतोड़िया (1973–76)
श्री सूरजमल गोठी	1976–1977	श्री संपतराज भूतोड़िया
श्री सूरजमल गोठी	1977–1979	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री श्रीचंद रामपुरिया	1979–1981	श्री श्रीचंद बैंगानी (1979–80)
श्री श्रीचंद रामपुरिया	1980–1981	श्री श्रीचंद सुराणा
श्री बिहारीलाल जैन	1981–1984	श्री शंकरलाल मेहता (1981–1983)
श्री बिहारीलाल जैन	1981–1984	श्री श्रीचंद बैंगानी (1983–84)
श्री खेमचंद सेठिया	1984–1990	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री गुलाबचंद चिंडालिया	1990–1992	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री श्रीचंद बैंगानी	1992–1994	श्री झूमरमल बैंगानी
श्री धरमचंद चौपड़ा	1994–1996	श्री ताराचंद रामपुरिया
श्री चैनरूप भंसाली	1996–1997	श्री हनुमानमल चिंडालिया
श्री गुलाबचंद चिंडालिया	1997–2000	श्री ताराचंद रामपुरिया
श्री मूलचंद बोथरा	2000–2002	श्री गुलाबचंद चिंडालिया
श्री बुधमल दूगड़	2002–2004	श्री भागचंद बरड़िया
श्री सिद्धराज भंडारी	2004–2006	श्री नरेन्द्र छाजेड़
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2006–2010	श्री भीखमचंद पुगलिया
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2010–2012	श्री जितेन्द्र नाहटा
श्री ताराचंद रामपुरिया	2012–2014	श्री बंशीलाल बैद
श्री धरमचंद लुंकड़	2014–2016	श्री अरविन्द गोठी
श्री बी. रमेशचंद बोहरा	2016–2018	श्री राजेश कोठारी
श्री अरविन्द संचेती	2018–2020	श्री गौरव जैन मांडोत

जैन विश्व भारती (2020-2022)

संचालिका समिति

पदाधिकारी

नाम	स्थान	पद
श्री मनोज कुमार लूनियां	शिलौंग	अध्यक्ष
श्री अरविन्द कुमार संचेती	अहमदाबाद	निवर्तमान अध्यक्ष
श्री चांदरतन बी.दुगड़	मुम्बई	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्री अमित कुमार नाहटा	बैंगलौर	उपाध्यक्ष
श्री अशोक चण्डालिया	मुंबई	उपाध्यक्ष
श्री दौलत डागा	जयपुर	उपाध्यक्ष
श्री उत्तमचंद नाहटा	गौहाटी	उपाध्यक्ष
श्री प्रमोद बैद	कोलकाता	मंत्री
श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयुक्त मंत्री
श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई	संयुक्त मंत्री
श्री बिमलचंद भंडारी	कोलकाता	कोषाध्यक्ष

न्यास मण्डल

श्री टी. अमरचंद जैन	चेन्नई	मुख्य न्यासी
श्री अनिल बैद	दिल्ली	न्यासी
श्री कमल किशोर ललवानी	कोलकाता	न्यासी
श्री नरपतसिंह चौरड़िया	बैंगलोर	न्यासी
श्री गौरव जैन (मांडोत)	जयपुर	न्यासी
श्री सुरेन्द्र जैन कांकरिया	न्यूजर्सी	न्यासी
श्री पंकज पोरवाल	भिलाई	न्यासी
श्री विजयसिंह डोसी	गुवाहाटी	न्यासी
श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया	कोलकाता	न्यासी
श्री दर्शन बोहरा	चेन्नई	न्यासी

पंच मण्डल

श्री बी.रमेशचंद बोहरा	चेन्नई	सदस्य
श्री किशनलाल डागलिया	मुम्बई	सदस्य
श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	सदस्य

संचालिका समिति सदस्य

नाम	स्थान	नाम	स्थान
श्री अंकेश शाह	सूरत	श्री नगराज जैन	कोलकाता
श्री अरविंद कुमार दूगड़	अहमदाबाद	श्री नरपत सिंह बैद	जयपुर
श्री बी. केवलचंद मांडोत	चेन्नई	श्री नवीन पारख	सिलीगुड़ी
श्री बाबूलाल जैन बाफना	नवी मुंबई	श्री नवीन सुराणा	कोलकाता
श्री भानुकुमार नाहटा	मुंबई	श्री नवीन बैंगानी	कोलकाता
श्री भीखमचंद पुगलिया	कोलकाता	श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर
श्री चैनरूप चिंडालिया	कोलकाता	श्री प्रकाशचंद बैद	कोलकाता
श्री डालमचंद बैद	नई दिल्ली	श्री प्रवीण बरड़िया	लाडनूं
श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	श्री पुखराज बडोला	चेन्नई
श्री दिलीप दूगड़	गुवाहाटी	श्री राजकरण सिरोहिया	कोलकाता
श्री इन्दर कुमार बैंगानी	दिल्ली	श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत	कोलकाता
श्री कमल नाहटा	उदयपुर	श्री राकेश एस. कठोतिया	मुंबई
श्री कमलचंद टी. बैद	मुंबई	डॉ. संजय जैन	सूरत
श्री कन्हैयालाल गिड़िया	बैंगलोर	श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	कोलकाता
श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	श्री सुरेन्द्र कुमार कोठारी	मुंबई
श्री मदनलाल एन. तातेड़	मुंबई	श्री सुरेन्द्र कुमार सिंघी	कोलकाता
डॉ. मनजीत जैन	बेलगावी	श्री उम्मेदसिंह बोकड़िया	चेन्नई
श्री मन्नालाल बैद	नई दिल्ली	डॉ. वंदना कुंडलिया	काठमांडू
श्री मोहित डागा	जयपुर	श्री विकास जैन बैद	मुंबई
श्री राजेन्द्र मेहता	जोधपुर		

परामर्शक मण्डल

श्री दिलीप सुराणा	बैंगलोर	श्री जसकरण चोपड़ा	सूरत
श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी	दिल्ली	श्री मूलचंद नाहर	बैंगलोर
श्री नोरतनमल बच्छावत	होस्पेट	श्री सुमेरमल सुराणा	कोलकाता
श्री पन्नालाल बैद	जयपुर	श्री रूपचंद दूगड़	मुंबई
श्री राजेन्द्र प्रेमचंद घोड़ावत	जयसिंहपुर		

उपसमिति/विभाग

आदर्श साहित्य विभाग

नाम	स्थान	पद
श्री पुखराज बडोला	चेन्नई	विभागाध्यक्ष
श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई	सह–संयोजक
श्री दिलीप दूगड़	गुवाहाटी	सह–संयोजक
श्री रमेश कोठारी	इन्दौर	सह–संयोजक
श्री उमेश बी. सेठिया	जलगांव	सह–संयोजक (ई–बुक्स)

प्रेक्षा फाउण्डेशन

श्री अशोक चिंडालिया	मुम्बई	विभागाध्यक्ष
श्री अमित जैन	नागपुर	सह संयोजक

समण संस्कृति संकाय

श्री मालचंद बेगानी	दिल्ली	विभागाध्यक्ष
श्री पुखराज डागा	दिल्ली	संयोजक
श्री गौतमचंद डागा	चेन्नई	संयोजक

शोध विभाग

श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	विभागाध्यक्ष

समन्वय विभाग

प्रो. बच्छराज दूगड़	लाडनूं	संयोजक
श्री नौरतनमल दूगड़	जयपुर	सह–संयोजक
श्री सुखराज सेठिया	दिल्ली	सह–संयोजक

विमल विद्या विहार प्रबंधन समिति

श्री चांदरतन बी. दूगड़	मुंबई	संयोजक
श्री प्रकाशचंद बैद	कोलकाता	सह–संयोजक
श्री नवीन बैंगानी	कोलकाता	सह–संयोजक
श्री नवीन पारख	सिलीगुड़ी	सह–संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर प्रबंधन समिति

श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	संयोजक
श्री अनिल बैद	दिल्ली	सह–संयोजक
डॉ. धनपत लूनिया	दिल्ली	सह–संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर प्रबंधन समिति

श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	संयुक्त संयोजक
श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर	संयुक्त संयोजक
श्री पंकज पोरवाल	भिलाई	सह संयोजक

जैन विश्व भारती : परिसर देखरेख समिति

श्री विजयसिंह डोसी	गौहाटी	संयोजक
श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयोजक
श्री मोहित डागा	जयपुर	संयोजक

मीडिया एवं प्रचार-प्रसार विभाग

श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	संयोजक
श्री महावीर बी. सेमलानी	सूरत	सह–संयोजक

स्वर्ण जयंती समारोह समिति

श्री पन्नालाल पुगलिया	कोलकाता	संयुक्त संयोजक
श्री इन्दर कुमार बैंगानी	दिल्ली	संयुक्त संयोजक

शिक्षा सलाहकारिता समिति

श्री चांदरतन बी. दूगड़	मुम्बई	संयोजक
श्री अरविंद कुमार संचेती	अहमदाबाद	सदस्य
श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	सदस्य
श्री टी. अमरचंद जैन	चेन्नई	सदस्य
श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	सदस्य
डॉ. मंजीत जैन	बेलगावी	सदस्य
श्री अशोक चिंडालिया	मुम्बई	सदस्य
डॉ. संजय जैन	सूरत	सदस्य

विशेष : उक्त सभी विभागों / समितियों में जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं मंत्री पदेन सदस्य हैं।

जैन विश्व भारती की संचालिका समिति की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	26.10.2020 ऑनलाईन	20.02.21 रायपुर	27.04.21 ऑनलाईन	28.08.21 लाडनूं
1	श्री मनोज कुमार लूनियां, शिलौंग	अध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
2	श्री अरविन्द संचेती, अहमदाबाद	निवर्तमान अध्यक्ष	✓			
3	श्री चांदरतन बी. दूगड़, मुंबई	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	✓		✓	✓
4	श्री उतमचंद नाहटा, गुवाहाटी	उपाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
5	श्री अमित कुमार नाहटा, बैंगलोर	उपाध्यक्ष		✓		
6	श्री अशोक चिंडालिया, मुंबई	उपाध्यक्ष	✓		✓	
7	श्री दौलत डागा, जयपुर	उपाध्यक्ष	✓		✓	✓
8	श्री प्रमोद बैद, कोलकाता	मंत्री	✓	✓	✓	✓
9	श्री विजयराज आंचलिया, चेन्नई	संयुक्त मंत्री	✓	✓	✓	✓
10	श्री जीवनमल जैन मालू, बंगाईगांव	संयुक्त मंत्री	✓	✓	✓	✓
11	श्री बिमलचंद भंडारी, कोलकाता	कोषाध्यक्ष	✓	✓	✓	✓
12	श्री अंकेश शाह, सूरत	संचालिका समिति सदस्य		✓		
13	श्री अरविंद कुमार दूगड़, अहमदाबाद	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓
14	श्री बी. केवलचंद मांडोत, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य				
15	श्री बाबूलाल जैन बाफना, नवी मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
16	श्री भानु कुमार नाहटा, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	
17	श्री भीखमचंद पुगलिया, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
18	श्री चैनरूप चिंडालिया, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
19	श्री डालमचंद बैद, नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य		✓	✓	✓
20	श्री धरमचंद लुंकड़, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓
21	श्री दिलीप दूगड़, गुवाहाटी	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	

22	श्री इन्दर कुमार बैंगानी, दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓
23	श्री कमल नाहटा, उदयपुर	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓
24	श्री कमलचंद टी. बैद, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				
25	श्री कन्हैयालाल गिड़िया, बैंगलोर	संचालिका समिति सदस्य			✓	
26	श्री मदनचंद दूगड़ जौहरी, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	
27	श्री मदनलाल एन. तातेड़, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
28	डॉ. मनजीत जैन, बेलगांवी	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
29	श्री मन्नालाल बैद, नई दिल्ली	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓	✓	✓
30	श्री मोहित डागा, जयपुर	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓
31	श्री नगराज जैन, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य			✓	
32	श्री नरपतसिंह बैद, जयपुर	संचालिका समिति सदस्य		✓	✓	✓
33	श्री नवीन पारख, सिलीगुड़ी	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
34	श्री नवीन सुराणा, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
35	श्री नवीन बैंगानी, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		
36	श्री पन्नालाल पुगलिया, जयपुर	संचालिका समिति सदस्य		✓	✓	✓
37	श्री प्रकाशचंद बैद, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
38	श्री प्रवीण बरड़िया, लाडनूं	संचालिका समिति सदस्य			✓	✓
39	श्री पुखराज बडोला, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	✓
40	श्री राजकरण सिरोहिया, कोलकात	संचालिका समिति सदस्य				
41	श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य				
42	श्री राकेश एस. कठोतिया, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य		✓		
43	डॉ. संजय जैन, सूरत	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		
44	श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓	✓		✓
45	श्री सुरेन्द्र कुमार कोठारी, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य	✓		✓	
46	श्री सुरेन्द्र कुमार सिंघी, कोलकाता	संचालिका समिति सदस्य	✓			✓
47	श्री उम्मेद सिंह बोकड़िया, चेन्नई	संचालिका समिति सदस्य			✓	
48	डॉ. वंदना कुंडलिया, काठमांडू	संचालिका समिति सदस्य				
49	श्री विकास जैन बैद, मुंबई	संचालिका समिति सदस्य				

अध्यक्ष की कलम से

परमपावन पंचपरमेष्ठी को श्रद्धायुक्त वंदन। परम वंदनीय वैराग्यमूर्ति के मूर्त रूप आचार्यश्री महाश्रमणजी, संघ महानिदेशिका महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, मुख्य मुनिश्री महावीरकुमारजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी, जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी एवं समस्त चारित्रात्माओं को सविनय वंदना।

पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद के साथ जिस दिन अध्यक्षीय दायित्व का पदभार ग्रहण किया, मन–मस्तिष्क में एक ही लक्ष्य था– जैन विश्व भारती की बहुआयामी गतिविधियों के विकास हेतु नव अनुसंधान करना एवं जैन विश्व भारती की गरिमा में उत्तरोतर वृद्धि करना। ऐसी ही शुभ भावनाओं के साथ द्विवर्षीय कार्यकाल में सक्रिय एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम के साथ विकास यात्रा का एक कदम आगे बढाया।

हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें जैन विश्व भारती में पूज्यप्रवर के पावन प्रवास के दौरान अगवानी एवं सेवादर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है। सदियों के विशिष्ट आयोजन अमृत महोत्सव के साक्षी बनने का अवसर भी हमें प्राप्त हो रहा है। पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद के साथ साध्वी प्रमुखाश्रीजी के दायित्व के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सृजित होने वाले अभिनंदन ग्रंथ–अमृतम का दायित्व प्राप्त कर हम गौरवान्वित अनुभूत कर रहे हैं।

शैक्षणिक इकाईयों को समुन्नत बनाये जाने के चिंतन के साथ शिक्षा में नवाचारों को शामिल किया गया है। विमल विद्या विहार एवं महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर व टमकोर में डिजिटल कक्षाओं का स्थापन एवं सुचारू संचालन, कम्प्यूटर लैब का आधुनिकीकरण विद्यार्थियों को कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में अधिक सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

जैन विश्व भारती की प्रत्येक प्रवृत्ति विभागाध्यक्षों, संयोजको के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। आदर्श साहित्य विभाग डिजीटलाइजेशन के नव उन्मेषों के साथ देश–विदेश में अपना एक विशेष स्थान बना रहा है। ग्लोबल क्विज कांटेस्ट करे आत्मोथान, बनें वर्द्धमान ने समस्त श्रावक समाज को एक प्लेटफार्म पर ला दिया है। अमेजॉन किंडल, अमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल पर पुस्तकों की उपलब्धता ऐसे नवाचार हैं, जो देश–विदेश के हजारों पाठकों को आकर्षित कर रहा है।

प्रेक्षाध्यान की प्रवृत्ति के अन्तर्गत साधकों को उत्तम सुविधा प्रदान कर ध्यान हेतु उचित वातावरण प्रदान किया जा रहा है एवं ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से हजारों व्यक्तियों ने प्रेक्षाध्यान प्रवृत्ति के अन्तर्गत संचालित विविध विषयों का लाभ प्राप्त किया।

समण संस्कृति संकाय द्वारा जैन विद्या परीक्षाओं का सफलतापूर्वक ऑनलाइन आयोजन एक नवीन इतिहास सृजन करने को अग्रसर है।

जैन विश्व भारती में आगामी वर्ष पूज्यप्रवर के प्रवास को ध्यान में रखते हुए भिक्षु विहार निर्माण परियोजना का कार्य, अतिथि गृहों के सौन्दर्यकरण का कार्य एवं मीठे पानी की समुचित आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। परिसर में विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु विद्युत पैनल का स्थापन कर दिन–प्रतिदिन आने वाली समस्याओं का समाधान किया गया।

इसके अतिरिक्त अनेक कार्य संपन्न हुए हैं एवं विभिन्न कार्य गतिमान हैं। 24 घंटे स्वागतकक्ष के संचालन से आगंतुक अतिथियों को विशेष सुविधा प्राप्त हुई है। कार्यरत् कार्मिकों की दक्षता एवं कार्य गुणवत्ता का सुधार भी इस अवधि में किया गया। कार्य को मशीनीकरण के माध्यम से सरल एवं सहज बनाया गया। सेवा के महनीय लक्ष्य के अन्तर्गत संचालित सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला में नवीन ऊर्जा के साथ कोरोना काल में उपयोगी सेवाभावी एंटी वायरल फार्मूला का वृहद्स्तर पर निर्माण एवं विक्रय सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला के लिए प्रगति सूचक है।

कोरोना महामारी से व्याप्त विषम परिस्थितियों एवं

लॉकडाउन के कारण यद्यपि कुछ कार्यो में विलम्ब अवश्य हुआ है परन्तु विश्वास है कि पूज्य प्रवर के आशीर्वाद से समस्त कार्य यथासमय पूर्ण हो जाएंगे। मंत्री प्रतिवेदन में संपूर्ण वर्ष भर में संपादित कार्यों एवं गति–प्रगति का विस्तृत विवरण आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। जो कार्य हुआ, वह पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद, चारित्रात्माओं के सतत आध्यात्मिक मार्गदर्शन, पूरी टीम के श्रम एवं संपूर्ण श्रावक समाज के विशिष्ट सहयोग से हो पाया है एवं गतिमान कार्य भी सभी के सहयोग से अवश्य अपने लक्ष्य को प्राप्त होंगे।

इस सत्र के प्रथम वर्ष की संपन्नता के अवसर पर जैन विश्व भारती की गतिविधियों एवं संपादित कार्यों की और अधिक चर्चा न करता हुआ जिनके आशीर्वाद एवं पावन मार्गदर्शन से तथा जिनके महनीय श्रम एवं सहयोग से यह दायित्व बोध सहजता से निर्वहन हो पाया, सभी के प्रति हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन आशीर्वाद एवं पावन पाथेय मेरे लिए सदैव अनंत ऊर्जा का स्रोत बना रहा है। पूज्यप्रवर के प्रति आत्मीय अहोभाव और अंतः कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

आदरास्पद साध्वीप्रमुखाश्रीजी, मुख्यमुनि मुनिश्री महावीरकुमारजी, मुख्यनियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी एवं साध्वीवर्या साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के पावन दिशा–निर्देशन हेतु हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का जैन विश्व भारती की समस्त प्रवृतियों में विशिष्ट मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त होती रही तथा मुनिश्री ने जैन विश्व भारती की गतिविधियों को विकास की नवीन दिशा प्रदान करने हेतु सदैव सतत प्रेरणा एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया। सम्पूर्ण टीम को संगठित रुप से सकारात्मक भाव से कार्य की प्रेरणा मुनिश्री के पाथेय से समय–समय पर प्राप्त होती रही। मुनिश्री के प्रति अपनी ओर से तथा पूरी टीम की ओर से सादर कृतज्ञता ज्ञापित करता हुआ संस्था को सदैव उनके इसी प्रेरणाभाव की मंगलकामना करता हूं। समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद द्वारा समय–समय पर प्राप्त दिशाबोध प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

सभी सहयोगीगणों का नामोल्लेख सहित आभार ज्ञापन मंत्री महोदय ने अपने मंत्री प्रतिवेदन में किया है। अतः मैं संपूर्ण वर्तमान टीम की ओर से जैन विश्व भारती के धीर–गंभीर मंत्री श्री प्रमोद बैद की निष्ठापूर्ण सेवाओं व सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करता हूं।

जैन विश्व भारती की संपूर्ण टीम के समन्वित प्रयास एवं सहयोग तथा संपूर्ण समाज के तन–मन–धन के साथ सहयोग एवं सहभागिता से विकास कार्यों एवं योजनाओं को गति प्राप्त हो सकी। मैं किसी भी व्यक्ति के नामोल्लेख के बिना विशेष आदरभाव एवं सम्मान से संस्था की इस विकास यात्रा के सहयोगी बंधुओं, स्नेही स्वजनों के प्रति हार्दिक आभार व साधुवाद प्रकट करता हूं। जैन विश्व भारती एवं इसकी समस्त इकाईयों, विभागों में कार्यरत समस्त कर्मीगणों के निष्ठाभाव एवं सहयोगभाव के प्रति हार्दिक साधुवाद प्रकट करता हूं।

जैन विश्व भारती के 50 वर्षों की यात्रा की पूर्णता पर मैं मंगलकामना करता हूं कि जैन विश्व भारती के आगामी 50 वर्षों के विजन एवं लक्ष्यों को हम स्थापित कर सकें एवं क्रियान्वयन की बुनियाद मजबूत बना सकें। जिस प्रकार विगत 50 वर्षों में यह एक बीज से वटवृक्ष बना है, उसी प्रकार आगामी समय में इस वटवृक्ष की शाखाएं निरन्तर समृद्ध एवं मजबूत बनें। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सतत मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से संस्था की गरिमा में उत्तरोतर वृद्धि होती रहे।

मैं पुनः मंगलकामना करता हूं कि हमारी टीम उन सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर सके, जिनके लिए हमें पूज्यप्रवर से दायित्व बोध प्राप्त हुआ है एवं श्रावक समाज की आकांक्षाओं पर सदैव खरे बने रहें।

किसी भी प्रकार की हुई भूल के लिए सभी से सहृदय क्षमायाचना करता हुआ सभी के प्रति मंगलकामना करता हूं।

मनोज कुमार लूनिया

अध्यक्ष

जैन विश्व भारती

जैन विश्व भारती की 50वीं वार्षिक साधारण सभा पर प्रस्तुत प्रतिवेदन

आराध्य के श्रीचरणों में सादर वंदन। परम श्रद्धेय महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के श्रीचरणों में भक्तिभरा वंदन। श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, श्रद्धेया मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, श्रद्धेय 'मुख्य मुनि' मुनिश्री महावीरकुमारजी, 'साध्वीवर्या' साध्वीश्री संबुद्धयशाजी एवं समस्त चारित्रात्माओं के श्रीचरणों में सविनय वंदन।

जैन विश्व भारती की 49वीं वार्षिक साधारण सभा 30 सितम्बर 2020 को तत्कालीन अध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार संचेती की अध्यक्षता में आयोजित हुई एवं सर्वसम्मति से चाड़वास निवासी–शिलौंग प्रवासी श्री मनोज कुमार लूनियां को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया के सम्यक दायित्व निर्वहन हेतु चुनाव अधिकारी श्री प्रकाश बैद एवं श्री अशोक पारख के प्रति हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती के सम्माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार लूनियां, आदरणीय मुख्य न्यासी श्री टी. अमरचंद जैन, सम्मानित पदाधिकारीगण, सम्मानित न्यासीगण, सम्मानित संचालिका समिति सदस्यगण एवं संस्था के सभी सम्मानित सदस्यगण को सादर जय जिनेन्द्र। जैन विश्व भारती की सम्पूर्ण टीम ने इस वर्ष भी पूर्ण लगन, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य सम्पन्न करने का प्रयास किया है।

भारत के मैनेचेस्टर एवं वस्त्र नगरी के नाम से प्रख्यात भीलवाड़ा शहर में आयोजित जैन विश्व भारती की 50वीं वार्षिक साधारण सभा पर आप सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

जैन विश्व भारती : एक परिचय

आध्यात्मिकतायुक्त आधुनिकता में विश्वास रखने वाले मर्यादित तेरापंथ धर्मसंघ की एक प्रमुख केन्द्रीय संस्था है– **'जैन विश्व भारती'**, जिसकी स्थापना तेरापंथ धर्मसंघ के नवमाधिशास्ता आचार्यश्री तुलसी की पावन प्रेरणा से प्राकृत एवं जैन दर्शन के उच्च स्तरीय शोध संस्थान के रूप में **सन् 1970** में राजस्थान के नागौर जिले के लाडनूं नगर में हुई। जैन विश्व भारती आज न केवल भारत में अपितु विदेशों में भी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है।

जैन विश्व भारती की समस्त प्रवृत्तियां एक सुसंस्कृत मानव निर्माण की दिशा में अग्रसर में है। इस संस्थान के अभ्युदय में समाज के कार्यकर्ताओं ने अपनी पूरी शक्ति एवं सामर्थ्य को नियोजित किया है। जैन विश्व भारती दीर्घकालीन उद्देश्यों को आत्मसात करने वाली संस्था के रुप में मूर्तिमान है। यह एक ऐसा बहुमुखी संस्थान है जहां शिक्षा, शोध, साहित्य, साधना, सेवा, संस्कृति और समन्वय के प्रायोगिक उपक्रम सन्निहित है।

जैन विश्व भारती में शिक्षा के क्रम के शुभारम्भ के अवसर पर पूज्य गणाधिपति गुरुदेव तुलसी ने श्लोक का संगान किया और आज भी समस्त शैक्षणिक ईकाईयां अपने आचार्यों का स्मरण करते हुए प्रगति पथ पर अग्रसर है –

सर्वेकृपापरा मयि सन्तु स्मृतास्मृता जिनवर गुरुवः
तेषां करुणाकांक्षी सततं महमस्माति विनीतरवः।।

जैन विश्व भारती मान्य विश्वविद्यालय, विमल विद्या विहार, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल टमकोर, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल जयपुर, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल बैंगलौर आदि सभी शैक्षणिक इकाईयों की गति प्रगति इस प्रतिवेदन के माध्यम से प्रस्तुत है। इसी प्रकार आलोच्य अवधि में जैन विश्व भारती की विभिन्न प्रवृत्तियों यथा समण संस्कृति संकाय, प्रेक्षाध्यान, सेवा के उपक्रमों, साहित्य, पुरस्कार इत्यादि की विस्तृत जानकारी हमारे सम्मानित परिवार के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

समृद्धि की ओर सदस्य परिवार :

वर्तमान में हमारे 1 संस्थापक सदस्य, 2 अतिविशिष्ट सदस्य, 87 विशिष्ट सदस्य एवं 1236 आजीवन सदस्य है। मैं हमारे सदस्य परिवार के निरन्तर समृद्व होने की कामना करता हूं।

नवीन अति विशिष्ट सदस्य	:	1
नवीन विशिष्ट सदस्य	:	15
नवीन आजीवन सदस्य	:	12

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)

जैन विश्व भारती संस्थान अपने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के महनीय मार्गदर्शन एवं मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्य के क्षेत्र में गति से प्रगति की ओर अग्रसर है। संस्थान में वर्तमान में सात स्नातकोत्तर विभाग एवं एक आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय संचालित है, जिनके अन्तर्गत कुल 24 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं प्रमाण–पत्र नियमित–पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कुल 5 स्नातकोत्तर एवं 2 स्नातक स्तरीय पत्राचार–पाठयक्रम संचालित हैं, जिनमें मुख्य रूप से जैन विद्या, प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, अहिंसा एवं शांति, राजनीति विज्ञान, योग एवं जीवन–विज्ञान, समाज– कार्य तथा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत एम.एड., बी.एड., बीए–बीएड. एवं बीएससी–बीएड. आदि शिक्षक–शिक्षा संबंधी पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, वहीं स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम संचालित हैं। सात स्नातकोत्तर विभाग एवं मूल्यपरक उच्च शिक्षा एवं महिला शिक्षा को समर्पित इस संस्थान की विशिष्ट उपलब्धियां इस प्रकार है–

❋ विद्यार्थी संख्या

- नियमित विद्यार्थी – 1094 विद्यार्थी
- पत्राचार के माध्यम से विद्यार्थी – 11170 विद्यार्थी
- कुल शोध पूर्ण –20 विद्यार्थी
- कुल शोध जारी –137 शोध जारी

❋ आचार्य महाश्रमण नेचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूर्णता की ओर।

- संस्थान द्वारा 'आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष' के उपलक्ष में 'आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ऑफ नैच्युरोपैथी एंड योग' की स्थापना की, जिसे आगामी सत्र में प्रारम्भ किया जाएगा। इस हास्पिटल एंड कॉलेज का भवन निर्माण तेज गति से पूर्णता की ओर अग्रसर है। इस आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नैच्युरोपैथी एण्ड योग का शिलान्यास विगत 9 नवम्बर, 2019 को किया गया था।

❋ कुलपति प्रो.बच्छराज दुगड़ के कार्यकाल का विस्तार

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ के कार्यकाल की अवधि को आगामी पांच वर्षों के लिए आगे बढाया गया है। इस सम्बंध में कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिंदल ने विश्वविद्यालय के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सम्यक दृष्टिबोध से अनुप्राणित होकर आदेश जारी करते हुए प्रो. दूगड़ के कुलपति कार्यकाल को उनके प्रशासनिक काल में विश्वविद्यालय की प्रगति और व्यवस्थाओं में हुए सकारात्मक परिवर्तनों के मद्दे नजर आगामी पांच वर्ष की द्वितीय पदावधि के लिए संस्थान का कुलपति नियुक्त किया है।

❋ सम्मान एवं उपलब्धियां

- जैन विश्वभारती संस्थान को विशिष्ट क्षेत्रों में नवीन शैक्षणिक आयामों के समावेशन एवं शोध तथा प्रसार के रूप में किये गए प्रमुख कार्यों एवं उपलब्धियों हेतुअन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय पत्रिका 'एजुकेशन स्टालवार्ट्स' द्वारा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले भारत के प्रमुख 10 विश्वविद्यालयों की श्रेणी में वर्ष 2021 के लिए एक प्रमुख स्थान प्रदत्त करते हुए प्रीमियम युनिवर्सिटी के रूप में घोषित किया है।
- संस्थान को व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबन्धन के क्षेत्र में उच्च मानदण्डों की अनुपालना के आधार पर आई.एस.ओ. 45001: 2018 सर्टीफिकेशन अवार्ड प्राप्त हुआ है। यह सर्टीफिकेट संस्थान को आगामी तीन वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया गया है।
- फोर्ब्स इंडिया द्वारा करवाये गये सर्वेक्षण में संस्थान की कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिन्दल भारत की सबसे अमीर महिलाओं में शुमार हुई है। व्यावसायिक क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने वाली

देश की प्रमुख महिला श्रीमती सावित्री जिंदल ''जिंदल ग्रुप'' की कंपनियों की मालकिन हैं।

- अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग की छात्रा करूणा जांगिड ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके योग का परचम फहराया है।
- संस्थान द्वारा राज्य भर के अपने विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं प्रवेश–परीक्षाओं की तैयारियों के लिये युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के सहयोग से एक ''ऑनलाईन लर्निंग एप'' की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।
- संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा देश भर में फैले अपने विद्यार्थियों की सुविधा व सहयोग के लिये ऑनलाइन हेल्पडेस्क वाट्सअप ऐप्प का शुभारम्भ 1 सितम्बर को किया गया।
- संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यो को गति देने हेतु एक कार्यालय का प्रारम्भ किया गया। इस सम्बंध में एक पत्रिका भी लांच की गई। इसके द्वारा विदेशी छात्रों की सुख–सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाने के साथ अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मण्डलों की मेजबानी के लिए सम्भावनाएं तलाशी जायेगी। विदेशी छात्रों के लिए सर्टिफिकेट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किये जायेंगे।

❊ संस्थान प्रकाशन कार्य

- संस्थान के अन्तर्गत इस वर्ष विशेष रुप से 14 अंग्रेजी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया एवं त्रैमासिक रिसर्च जर्नल तुलसी प्रज्ञा का नियमित प्रकाशन जारी है।

❊ संस्थान के शिक्षकों के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

- संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में आंतरिक व्याख्यान श्रृंखला के अन्तर्गत व्याख्यान आयोजित करके गूगल क्लासरूम द्वारा ऑनलाईन पढाई के बारे में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- शिक्षा विभाग में सात दिवसीय आईसीटी प्रशिक्षण कार्यशाला में गूगल फॉर्म का प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ कार्यशाला में शिक्षकों को गूगल फार्म में काम करने की तकनीक और विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।
- संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में मूक्स शिक्षा पद्धति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. शम्भुनाथ तिवाड़ी ने दूरस्थ शिक्षा में एकेडमिक व व्यावसायिक शिक्षा के बारे में जानकारी देते हुए क्वालिटी एजुकेशन दिए जाने पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

❊ राष्ट्रीय संगोष्ठियों/वेबिनार का आयोजन

- तेरापंथ धर्मसंघ के दसवें आचार्य एवं प्रख्यात दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के 12वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर संस्थान के जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में देश की ख्यातिलब्ध हस्तियों ने हिस्सा लिया ।
- प्राकृत एवं संस्कृत विभाग द्वारा 'प्राकृत साहित्य में स्वास्थ्य विषयक सूत्र' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। संगोष्ठी के मुख्यवक्ता प्रो. धर्मचन्द जैन थे।
- महावीर जयंती के अवसर पर दर्शन दिवस का आयोजन करते हुए संस्थान के जैनविद्या तथा तुलनात्मक धर्म एवं दर्शन विभाग द्वारा 'आधुनिक युग में भगवान महावीर के दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- संस्थान तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ''कोविड–19 युग में गांधी मार्ग की प्रासंगिकता'' विषय पर राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- संस्थान में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा का श्रेष्ठ दस्तावेज'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्वावधान में 13 जुलाई को 'कोविड 19 की परिस्थिति में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया।
- संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में विभागाध्यक्ष समणी मल्लीप्रज्ञा की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय 'योगा एडं काउंसलिंग फॉर मेंटल हेल्थ एडं वेल बींग इन प्रजेंट सिनेरीयो' था।

- संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के तत्वावधान में 6 मार्च को विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर ''समकालीन भारतीय दार्शनिकों का चिंतन'' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

❋ अन्य प्रमुख आयोजन

- संस्थान एवं नेहरू युवा केन्द्र संयुक्त रूप से एक योजना तैयार करने पर विचार किया गया। नेहरू युवा केंद्र संगठन राजस्थान के राज्य निदेशक भुवनेश जैन ने यहां जैन विश्वभारती संस्थान में सामाजिक कार्यो के प्रसार के सम्बंध में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ से की गई मुलाकात के बाद यह तय किया गया।
- संस्थान के शिक्षा विभाग में एक सप्ताह के एमओयू के अनुसार एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किया गया। एमओयू का यह कार्यक्रम श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, सी.टी.ई. विद्यापीठ जामडोली जयपुर एवं जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग के साथ किया गया।
- संस्थान के समाज कार्य विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। 'सामाजिक उत्थान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का योगदान' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के पूर्व कुलपति प्रो. योगेंद्र सिंह थे।
- संस्थान के शिक्षा विभाग में 'महिला सशक्तिकरण में संविधान की अहम भूमिका' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के द्वारा दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (16–25 दिसम्बर 2020) किया गया।
- संस्थान में गैर शैक्षणिक कार्मिकों हेतु दो दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विशेषज्ञ भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय हरियाणा के विनोद कुमार कक्कड़ एवं राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़, अजमेर के कुलसचिव डॉ. हरिसिंह परिहार थे।
- संस्थान में ऑनलाइन खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के 274 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।
- इसके अलाव विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन यथा – गांधी जयन्ती, राष्ट्रीय एकता दिवस, एन.सी.सी 3 राज.बटालियन का पांच दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसी प्रकार एन.एस.एस के अन्तर्गत भी सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया।

❋ कृतज्ञता/आभार

जैन विश्व भारती संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी का संस्थान को निरन्तर आध्यात्मिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है, आचार्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कुमारश्रमणजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। कुलपति डा. बच्छराज दुगड़ की सेवाओं हेतु साधुवाद। संस्थान को प्रदत्त अनुदान हेतु सभी सहयोगी महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। संस्थान के प्रबंध मंडल, शिष्ट परिषद् एवं वित्त समिति के सदस्यों की सेवाओं हेतु साधुवाद। सभी प्रशासनिक अधिकारीगण, प्राध्यापकगण एवं गैर–शैक्षणिक कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद। संस्थान के विभिन्न आयोजनों एवं गतिविधियों में मातृ संस्था जैन विश्व भारती के कर्मीगणों के सहयोग हेतु धन्यवाद।

इस प्रकार संस्थान ने आलोच्य वर्ष में निश्चित रूप से भव्य रूप धारण किया है तथा भविष्य में पूज्यवरों के पुण्य–प्रताप से निश्चित ही अधिक भव्यता की ओर अग्रसर रहेगा। मातृ संस्था के अध्यक्ष श्री मनोज जी लूनिया एवं पूर्व अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती व श्री धर्मचंदजी लुंकड़ के प्रति विशेष आभार, जिनके मार्गदर्शन में मातृ संस्था के स्नेह मिलन से जैन विश्व भारती संस्थान सतत प्रगति– पथ पर आगे बढ़ रहा है। संस्थान के सभी सहयोगियों एवं दानदाताओं के प्रति भी विशेष आभार। श्रद्धेय मुनिश्री कीर्तिकुमारजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञभाव, जिनकी सतत प्रेरणा संस्थान के आरोहण का निमित्त बनी है।

प्रस्तुति
रमेश कुमार मेहता
कुलसचिव
जैन विश्व भारती संस्थान

विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

गणाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी ने आशीर्वाद दिया – शुभ भविष्य सामने है। गणाधिपति के शब्दों में विमल विद्या विहार स्कूल शुभ भविष्य की निर्माणशाला है, क्योंकि यदि आज अच्छा नहीं है तो भविष्य की कल्पना शंकित हो जाती है। पूज्य गुरुदेव तुलसी के पाथेय अनुसार शैक्षणिक ज्ञान एवं चारित्रिक विकास की दृष्टि से विमल विद्या विहार एक आदर्श विद्यालय है जहां शिक्षा के साथ साथ छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है। 1165 विद्यार्थियों के साथ सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त यह विद्यालय नगर का सिरमौर है। शैक्षणिक सत्र 2020–21 की विद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियां निम्न प्रकार है–

❊ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

- विद्यालय का सत्र 2020–21 का दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उच्चतम अंक प्राप्त कर सुजलाचंल में वरीयता प्राप्त की। मेधावी छात्र प्रेरक जैन ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए एवं दसवीं बोर्ड की परीक्षाओं में सक्षम माथुर, मोनालिया रार व पायल जैन ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र में अव्वल प्रदर्शन किया।
- विद्यालय की अन्य समस्त कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत– प्रतिशत रहा।

❊ प्रतिभावान एवं जरुरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

- कोविड महामारी के दौरान जरुरतमंद तेरापंथी विद्यार्थियों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को न्यूजर्सी सेन्टर, अमेरिका एवं यहां के श्रावक समाज के सहयोग से छात्रवृत्ति प्रदत्त।

❊ अभिभावकों से सीधा संवाद

- संस्था प्रबंधन द्वारा अभिभावकों से सीधा संवाद करने की परम्परा का अनुसरण किया गया। इस नवीन उपक्रम से अभिभावक अपनी समस्याओं को प्रबंधन से साझा कर पाएं हैं एवं अपने सुझावों से भी अवगत करवा सके हैं।

❊ कला (ह्यूमनटी) संकाय का शुभारंभ।

- प्रशासनिक सेवाओं की ओर जाने वाले विद्यार्थियों के मानस को ध्यान में रखते हुए कला संकाय की संबद्धता हेतु केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में आवेदन किया गया एवं विद्यालय को वर्ष 2021–22 में कला संकाय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्राप्त हुई, इस हेतु विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं।

❊ शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- शिक्षण की बेहतरीन तकनीकों के प्रशिक्षण, शिक्षा कार्य में स्किल डेवलपमेंट हेतु जयपुर आदि स्थानों पर सेमीनार एवं वर्कशॉप में प्रतिभागिता की गई। एडूयबडी नामक संस्था द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया जिसमें सभी शिक्षकों ने सहभागिता की। प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्री सुशांस बोस के द्वारा जयपुर मे आयोजित वर्कशॉप में विद्यालय के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। शैक्षणिक नवाचार हेतु शिक्षा सलाहकारिता समिति सदस्य डॉ. मनजीत जैन के प्रति हार्दिक आभार।

❊ नवीन प्राचार्या एवं नव फेकल्टी की नियुक्ति

- विमल विद्या विहार में मार्च 2021 से नवीन प्राचार्या के रुप में श्रीमती रचना बालानी– बीकानेर की नियुक्ति की गई है। पूर्व प्राचार्या श्रीमती वनिता धर द्वारा प्रदत्त दीर्घकालीन सेवाओं हेतु साधुवाद एवं नवनियुक्त प्राचार्या को सफलतम कार्यकाल की शुभकामनाएं।
- विद्यालय की अपेक्षानुसार दक्ष एवं प्रशिक्षित शिक्षक– शिक्षिकाओं की नियुक्ति की गई।

❊ अन्य सहशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

- विद्यालय में इस सत्र में विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों यथा– महावीर जयंती, विश्व पर्यावरण दिवस, योग दिवस इत्यादि का वर्चुअल आयोजन किया गया। डॉक्टर्स डे के अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा कोरोना काल में डॉक्टर्स की सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। लघु नाटिका, गीत, कविता आदि के माध्यम से जनसंख्या दिवस, इमोजी डे, गुरु पूर्णिमा इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कारगिल दिवस के अवसर पर रिटायर्ड कैप्टन एवं कर्नल को आमंत्रित कर देश के प्रति कर्तव्यों की जागरुकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

  एन.सी.सी राजस्थान बटालियन की छात्राओं को सूबेदार मेजर श्री गिरधारीलाल द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

❊ आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

- लाडनूं के थानाधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह कमांडो एवं उनके सहायकों द्वारा विद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

❊ ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन

- कोविड महामारी के व्यापक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं का सफल संचालन, यूट्यूब, जूम इत्यादि आधुनिक तकनीकों से विद्यार्थियों तक अध्ययन के लिए पहुंच। विमल विद्या विहार वर्तमान में सुजलाचंल का एकमात्र विद्यालय है जहां विद्यार्थियों के साथ–साथ अभिभावकों को भी एड्यूबडी कम्पनी का मोबाईल एप्प उपलब्ध करवाया गया है जिससे न केवल विद्यार्थी अपितु अभिभावक भी विद्यालय से दिन–प्रतिदिन जुड़े रह सकेंगे।

❊ कृतज्ञता एवं आभार

विद्यालय में समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु विद्यालय के सह संयोजक श्री प्रकाशचंद बैद, कोलकाता, श्री नवीन पारख सिलीगुड़ी एवं श्री नवीन बैंगाणी, कोलकाता का हार्दिक आभार। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रचना बालानी, पूर्व प्राचार्या श्रीमती वनीता धर एवं उप प्राचार्या श्रीमती चांदकिरण द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति
चांदरतन बी दूगड़
संयोजक

अ **ध्ययन**
ध्यात्म
नुशासन का समन्वय

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

वर्ष 2006 में जयपुर शहर के निर्माण नगर के ज्ञान विहार में स्थापित इस विद्यालय की गणना शहर के प्रमुख सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में होती है। विद्यालय में स्कूली शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास व सुसंस्कारित जीवन कौशल की क्रियान्विति पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस वर्ष विशेष रूप से पृथक प्ले एवं नर्सरी विंग के स्थापन का लक्ष्य लिया गया है।

वर्तमान में 406 विद्यार्थियों के साथ संचालित विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2020–21 के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी निम्नलिखित है–

❋ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

- विद्यालय का सत्र 2020–21 का दसवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा एवं बारहवीं बार्ड परीक्षाओं का परिणाम भी शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र लक्ष्यराज सिंह ने 95 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं इसी प्रकार कक्षा दस के विद्यार्थी पुष्कर पाठक ने 95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विद्यालय की अन्य समस्त कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

❋ सहशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

- उक्त गतिविधियों के अन्तर्गत शिक्षक दिवस, हिन्दी दिवस, दीवाली सेलिब्रेशन, अंग्रेजी कविता प्रतियोगिता, मदर्स डे, विश्व साक्षरता दिवस, विश्व अध्ययन दिवस, विश्व योग दिवस, गुरु पूर्णिमा, मकर सक्रान्ति, देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, अर्थ डे आदि का सुन्दर आयोजन।

❋ शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- शिक्षण की बेहतरीन तकनीकों हेतु प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्री सुशांत बोस द्वारा आयोजित वर्कशॉप में सहभागिता की गई। शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि, प्रारम्भिक कक्षाओं में कविता एवं संगीत का महत्व, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी, अंग्रेजी ग्रामर में दक्षता, अंग्रेजी कॉमन एरर, मेथेडोलॉजी फॉर सांइस एवं मैथ्स, कक्षाओं में विद्यार्थी का बुरा व्यवहार, आदि विषयों पर आयोजित कुल 11 वर्कशॉप में सहभागिता। प्रिंसिपल हेतु एड्यूबडी कम्पनी द्वारा आयोजित वर्कशॉप में सहभागिता। शैक्षणिक नवाचार हेतु शिक्षा सलाहकारिता समिति सदस्य डॉ. मनजीत जैन के प्रति आभार।

❋ ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन

- कोविड महामारी के व्यापक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं का सफल संचालन, यूट्यूब, जूम इत्यादि आधुनिक तकनीकों से विद्यार्थियों तक अध्ययन के लिए पहुंच। विद्यार्थियों एव अभिभावकों के मध्य समन्वय हेतु नियमित अभिभावक संगम की बैठक का आयोजन।

❋ कृतज्ञता एवं आभार

विद्यालय की गतिविधियों में विद्यालय के सह संयोजक श्री पंकज पोरवाल, भिलाई के मार्गदर्शन हेतु एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीलिमा गुप्ता द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

गौरव जैन मांडोत
संयुक्त संयोजक
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

पन्नालाल पुगलिया
संयुक्त संयोजक
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, बैंगलौर

(जैन विश्व भारती की संबद्ध इकाई)

आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर श्री देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट, बैंगलोर द्वारा संचालित महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर को जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संबद्धता प्रदान की गयी थी। कक्षा नर्सरी से कक्षा पांच तक संचालित इस विद्यालय के वर्तमान सत्र 2020–21 में विद्यार्थियों की संख्या 100 है। वर्तमान सत्र में विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर की वार्षिक गतिविधियां निम्न प्रकार रही–

❈ जीवन विज्ञान एवं योग का नियमित कार्यक्रम

- विद्यालय में सर्वांगीण विकास हेतु जीवन विज्ञान एवं योग के नियमित कार्यक्रमों का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

❈ सहशैक्षणिक गतिविधियां

- सहशैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयंती, बाल दिवस, कन्नड़ राज्योत्सव आदि का वर्चुअल आयोजन किया गया।

❈ खेल प्रतियोगिता का आयोजन

- विद्यालय में वर्चुअल रुप से विविध खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

❈ कृतज्ञता एवं आभार

विद्यालय के प्राचार्य श्री नरसिम्हा मूर्ति द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

देवराज मूलचंद नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट

संचालक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

**"तुम स्वाध्याय करो।
उससे तीन लाभ है–
ज्ञान बढ़ता है।
वैराग्य बढ़ता है।
आचरण निर्मल बनता है।"**

–आचार्य महाश्रमण

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के जन्म दिवस (प्रज्ञा दिवस) के अवसर पर दिनांक 12 जुलाई 2007 को टमकोर में 'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल' का शुभारंभ हुआ। वर्तमान में इस विद्यालय में टमकोर व आस–पास के गांवों के 601 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। अंग्रेजी माध्यम के इस विद्यालय में जीवन विज्ञान तथा अणुव्रत की कक्षाएं भी नियमित चल रही है। विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2020–21 की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी निम्नलिखित हैं–

❋ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

- विद्यालय का सत्र 2020–21 का वार्षिक परीक्षाओं का कुल परिणाम एवं कक्षा 10वीं बोर्ड एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन पर समस्त ग्रामवासियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

❋ शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- शिक्षण की बेहतरीन तकनीकों एवं सीबीएसई की नवीन तकनीकों के प्रशिक्षण हेतु शिक्षकगणों द्वारा जयपुर में सेमीनार में सहभागिता की गई एवं ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। एड्यूबडी कम्पनी द्वारा आयोजित प्रिंसिपल हेतु विशेष कार्यशाला में भी सहभागिता की गई। प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्री सुशांत बोस द्वारा जयपुर में आयोजित सेमीनार में सहभागिता। दिनांक 10 मई से 4 जून तक शिक्षकगणों हेतु स्किल डेवलपमेंट कक्षाओं का संचालन किया गया।

❋ सहशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

- व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, रंगोली प्रतियोगिता, राखी मेंकिग प्रतियोगिता, दिया बनाओ प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, हिन्दी दिवस, कैरियर डे, मकर संक्रान्ति, नृत्य प्रतियोगिता, महावीर जयन्ती, विश्व योग दिवस, विश्व इमोजी दिवस, कारगिल दिवस इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मलसीसर तहसील की तहसीलदार द्वारा विद्यालय का निरीक्षण एवं विद्यार्थियों को कैरियर के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

❋ ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन

- कोविड महामारी के व्यापक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षाओं का सफल संचालन, यूट्यूब, जूम इत्यादि आधुनिक तकनीकों से विद्यार्थियों तक अध्ययन के लिए पहुंच। विशेष रुप से डोर टू डोर चेकिंग के अन्तर्गत विद्यार्थियों के घर जाकर विद्यार्थियों का कार्य मूल्यांकन किया गया एवं उनके अध्ययन में विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

❋ सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम

- प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य के साथ महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर में पौधारोपण किया गया एवं उनकी सुरक्षा संरक्षा का दायित्व भी लिया गया है।

❋ ग्रामीण क्षेत्र में प्रथमतः ऑनलाइन एप्प की उपलब्धता

- इस वर्ष एड्यूबडी के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को ऑनलाइन एप्प की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई है। संभवतः महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल उस क्षेत्र का प्रथम विद्यालय है जिसने ऐसी एप्प की सुविधा अभिभावकों को उपलब्ध कराई है।

❊ **प्रतिभावान एवं जरुरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति**

- पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के ग्रामीण क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा के स्वप्न का अनुसरण करते हुए, यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बालकों को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ प्रतिभावान एवं जरुरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। इस कार्य में सहयोगी जैन विश्व भारती सेन्टर, ह्यूस्टन के प्रति हार्दिक आभार।

  इसके अतिरिक्त प्रतिदिन ऑनलाइन माध्यम से जीवन विज्ञान एवं योगा की कक्षाओं का आयोजन।

❊ **कृतज्ञता/आभार**

विद्यालय के विकास में योगभूत बने समस्त पेट्रोन डोनर एवं एवं अन्य अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार। विद्यालय हेतु समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु सह–संयोजक श्री अनिल बैद–दिल्ली, डॉ. धनपत लूनिया–दिल्ली का हार्दिक आभार। विद्यालय के प्राचार्य श्री लोकेश तिवारी द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। सभी अध्यापकगण, अध्यापिकागण एवं कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

रणजीतसिंह कोठारी

संयोजक

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल

शिक्षा संपोषण योजना

जैन विश्व भारती के संरक्षण में गतिशील जैन विश्व भारती संस्थान तथा जैन विश्व भारती के अन्तर्गत संचालित शैक्षणिक इकाईयों– विमल विद्या विहार, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर एवं महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर के समुचित विकास की दृष्टि से **'शिक्षा संपोषण योजना'** जारी है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक अनुदानदाता से **'शिक्षा संपोषक'** के रूप में रु. 1 लाख की अनुदान राशि प्राप्त की जा रही है। प्राप्त अनुदान राशि को विश्वविद्यालय व शैक्षणिक इकाईयों के विकास में यथावश्यकता उपयोग किया जा रहा है।

इस योजना के अनुदानदाता, प्रेरक, सहयोगी एवं ज्ञात–अज्ञात रूप से जुड़े सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार।

महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल

(आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष की स्थायी परियोजना)

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूल उददेश्यों में शिक्षा का प्रमुख स्थान रहा है। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने समय–समय पर जैन विश्व भारती को इस विद्यालय हेतु पावन पाथेय प्रदान किया है। जैन विश्व भारती स्वर्ण जयंती दिवस के अवसर पर पूज्यप्रवर ने फरमाया कि :

जैन विश्व भारती को और आगे बढना है। इन्टरनेशनल स्कूल की जो बात है, आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष पर इन्टरनेशनल स्कूल की जो बात है–एक स्कूल, ऐसा विद्यालय, अनेक विद्यालय जैन विश्व भारती के पास है। मान्य विश्वविद्यालय जुड़ा हुआ है और भी तीन स्कूल जैन विश्व भारती के पास है। विमल विद्या विहार, जयपुर में भी है, टमकोर में है, तीन तो है, बड़ी अच्छी बात है। यानि शिक्षण संस्थान जिनमें ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार भी दिए जाते रहें। तो यह विद्यार्थी जगत को ज्ञान व संस्कार का अवदान है।

ये जो इंटरनेशनल स्कूल की बात है– ऐसे स्तर का विद्यालय जहां ज्ञान भी बढिया, संस्कार भी बढिया और कोई ऐसा न कहे कि हमारे समाज के पास ऐसा विद्यालय है नहीं जिससे बच्चे और कहीं जाते हैं, ये बात न हो। इस स्कूल में अन्य अच्छे स्कूल की तरह ज्ञान प्राप्त करें, उस रुप में भी जैन विश्व भारती को आगे बढने का प्रयास करना है।

हालांकि ठीक है कोरोना काल है, स्थितियां भी है, ठीक है। परन्तु आदमी का काम है, यथोचित बढने का प्रयास करना। बाधाएं तो आ सकती है। बाधाओं की बात है, बाधाएं तो आ सकती है। बाधाओं को देखकर विवेक तो रखो परन्तु हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाएं कि बहुत बाधाएं है। अगर चलना है तो बाधाएं भी चले और हम भी चलें। हम भी चलें और बाधाएं भी साथ–साथ चलें। विवेक तो रखना ही है। बाधाएं हमें रोक दे, पूरा रोक दे, ऐसा भी न हो। बाधाएं हो तो विवेक रखें कि कैसे चलना है, किधर चलना है, थोड़ा देख लें। बाधाएं आ जाए तो चलना ही बन्द कर दें, दो महीना देख लो, चार महीना देख लो, हमेशा के लिए बन्द कर दें तो विकास ही ठप्प हो जाएगा।

बाधाओं से डरना नहीं चाहिए। हम ये देखें कि बाधाओं की सीमा क्या है और मेरा किस रुप में चलना ठीक है, और कोई रास्ता है क्या। सड़क निर्माण होता है तो, थोड़ा पास में से रास्ता देख लेते हैं परन्तु जाना बन्द थोड़े ही कर देंगे। थोड़ी तकलीफ होती है, रास्ता बदलने में पर हमारी गति नहीं रुकनी चाहिए। बाधाएं तो आती है इसलिए जितना संभव हो सके उतना काम बाधाओं के होते हुए भी शुरु कर दें तो सभी बाधाएं मिट जाएंगी। हमारे काम सम्पन्नता की ओर चले जाएंगे। इंटरनेशनल स्कूल का बहुत महत्वपूर्ण कार्य जैन विश्व भारती के सामने हैं। जैन विश्व भारती के कार्यकर्ता खूब निष्ठा, उत्साह के साथ इसके आध्यात्मिक, धार्मिक विकास में अपनी शक्ति का नियोजन करते रहें। जैन विश्व भारती की जितनी सामर्थ्य है, उससे भी अधिक सामर्थ्य बढती रहे।

जैन विश्व भारती की सम्पूर्ण टीम का प्रयास है कि पूज्यप्रवर के इंगित अनुसार दिल्ली एनसीआर एवं आस–पास के क्षेत्र में भूमि चयन किया जाए एवं इसकी प्रक्रिया जारी है। भूमि चयन हेतु टीम द्वारा समय–समय पर गुड़गांव एवं आस–पास के क्षेत्रों में दौरा भी किया गया है। यह महत्वपूर्ण कार्य भी पूज्यप्रवर के आशीर्वाद के साथ विकास की गति प्राप्त करेगा।

समण संस्कृति संकाय

समण संस्कृति संकाय जैन विश्व भारती का एक महत्वपूर्ण उपक्रम है, जो जैन विद्या के उन्नयन की दिशा में विशेष प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञ तथा वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमणजी ने संस्कृति और विकास के लिए जो संकल्पनाएं की हैं, उनकी क्रियान्विति के लिए यह संकाय अनवरत गतिशील है।

गणाधिपति गुरुदेव तुलसी ने कहा था कि – समण संस्कृति संकाय को शिक्षा के साथ संस्कार निर्माण हेतु अधिक शक्ति से कार्य करना है ताकि प्रारंभ से ही शिक्षा के साथ संस्कारों का निर्माण हो सके।

समण संस्कृति संकाय का पूरा तंत्र विशेष जागरूकता के साथ परीक्षाओं का संचालन करता है। भारत के प्रायः सभी राज्यों में व नेपाल में स्थान–स्थान पर सैंकड़ों केन्द्र स्थापित हैं। अब तक 325 स्थायी केन्द्र हो चुके हैं। जैन विद्या का नववर्षीय पाठ्यक्रम निर्धारित है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष 325–380 केन्द्रों से हजारों की संख्या में प्रतिभागी संस्कार निर्माण की दिशा में अग्रसर होते हैं।

❋ जैन विद्या परीक्षाएं

- कुल आवेदन – इस वर्ष कुल 12619 आवेदन प्राप्त
- कुल परीक्षार्थी – कुल 325 केन्द्रों पर आयोजित परीक्षा में 11525 परीक्षार्थी उपस्थित
- परीक्षा परिणाम – 11128 परीक्षार्थी उत्तीर्ण, 96 प्रतिशत परिणाम
- इन परीक्षाओं के व्यवस्थित नियोजन में संयोजक, सह–संयोजक, प्रभारी, सह– प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह आचंलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक एवं निरीक्षकों का विशेष सहयोग रहा। एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

❋ सम्पूर्ण देशभर एवं विदेश सहित क्षेत्रीय कार्य–शालाओं का आयोजन

- कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन में सम्पूर्ण देशभर के विभिन्न क्षेत्रों में जूम ऐप आधारित ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस अवधि में कुल 50 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर, मध्य भारत, नेपाल बिहार, पूर्व भारत, दक्षिण भारत आदि की क्षेत्रीय कार्यशालाओं का संयोजन किया गया जिसमें सह– प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह आचंलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा सहभागिता की गई। कार्यशालाओं हेतु जैन विश्व भारती के पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक मार्गदर्शन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। कार्य– शालाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु श्री उमेश सेठिया, जलगांव का हार्दिक आभार।

❋ आधुनिक तकनीकों के साथ ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन

- समण संस्कृति संकाय में परीक्षा हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन पद्धति से प्रारम्भ कर दी गई एवं समस्त आवेदन ऑनलाइन से प्राप्त एवं परीक्षार्थियों द्वारा सकारात्मक फीडबेक प्राप्त।
- ऑनलाइन पोर्टल पर समस्त परीक्षा सामग्री यथा–पुस्तकें, हल प्रश्नपत्र, परीक्षार्थी का पुराना डाटा, सेम्पल प्रश्नपत्र इत्यादि उपलब्ध।

  परीक्षार्थियों की सुविधार्थ समस्त सामग्री एक की प्लेटफार्म पर उपलब्ध।

- ऑनलाइन परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु अभ्यास प्रश्नमालाओं की श्रृंखला भी जैन विश्व भारती के ऐप्प संबोधि के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है। सभी परीक्षार्थियों द्वारा अत्यन्त उत्साहपूर्वक इन अभ्यास प्रश्नों को हल कर अपना स्व– मूल्यांकन किया जा रहा है।

❋ जैन विद्या परीक्षाओं का ऑनलाइन आयोजन

- समण संस्कृति संकाय द्वारा प्रथमतः जैन विद्या भाग 1 से 9 तक की परीक्षाओं के ऑनलाइन आयोजन का निर्णय लिया गया है। दिनांक 6 सितम्बर 2020 को परीक्षार्थियों द्वारा घर बैठे संबोधि ऐप्प के माध्यम से ऑनलाइन तकनीक के द्वारा परीक्षा दी गई एवं वस्तुनिष्ठ प्रारुप से परीक्षा प्रणाली को सराहा गया।

  विगत वर्ष की सफलता से इस वर्ष प्रतिभागियों में विशेष उत्साह है।

❋ आगम मंथन प्रतियोगिता

- आगम अनुसंधान के क्षेत्र के अन्तर्गत समण संस्कृति संकाय द्वारा इस वर्ष विवागसुयं नामक आगम पर आगम मंथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल 2121 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। दिनांक 14 मार्च 2020 को प्रतियोगिता का परिणाम वेबसाइट पर जारी किया गया है। प्रतियोगिता के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री मननकुमार जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।
- इस वर्ष रायपसेणियं आगम पर प्रतियोगिता के आयोजन का निर्णय। प्रतियोगिता सौजन्य हेतु भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि के प्रतिनिधि श्री नवरत्नमल बच्छावत चाड़वास–सण्डुर का हार्दिक आभार। वर्तमान में इस प्रतियोगिता हेतु आवेदन प्राप्ति का क्रम जारी।

❋ जैन विद्या कोष की स्थापना

- समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियों व योजनाओं के सुचारू संचालन की दृष्टि से समाज के सहयोग से एक 'जैन विद्या कोष' की स्थापना वर्ष 2015 से की गई, जिसमें चार श्रेणियां रखी गई है–

श्रेणी	**श्रेणी का नाम**	**राशि**
प्रथम	जैन विद्या विशिष्ट संपोषक	05 लाख
द्वितीय	जैन विद्या संपोषक	01 लाख
तृतीय	जैन विद्या विशिष्ट सहयोगी	51 हजार
चतुर्थ	जैन विद्या सहयोगी	11 हजार

जैन विद्या संपोषक योजना के अन्तर्गत श्री अमित–लक्ष्मीपत बैद, दुबई द्वारा प्रदत्त सहयोग हेतु हार्दिक आभार। अन्य योजनाओं में सहयोगी अनुदानदाता परिवारों के प्रति भी हार्दिक आभार।

❋ सोशल मीडिया एवं वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से प्रचार–प्रसार

- समण संस्कृति संकाय द्वारा अपनी गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु प्रभारी, आंचलिक संयोजकों, केन्द्र व्यवस्थापकों, विज्ञ उपाधिधारक, वरीयता विजेताओं एवं कार्यशाला के 145 सोशल ग्रुप बनाए हैं। विभागाध्यक्ष, संयोजक एवं कार्यालय सहयोगियों के अलावा 400 जनों की टीम के विशेष प्रयासों से संकाय जैन विद्या के प्रचार–प्रसार में अग्रसर है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग हेतु श्री राजेश दुधेड़िया, गुवाहाटी का हार्दिक आभार। ऑनलाइन स्वाध्याय हेतु संयोजक श्री सुशील बाफना एवं सह संयोजक श्री राजेन्द्र बैंगाणी के प्रति हार्दिक आभार।

❋ जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन

- प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं समण संस्कृति संकाय के संयुक्त संयोजकत्व में आचार्यश्री महाश्रमणजी की कृति तीन बातें ज्ञान की पर आधारित जैन विद्या कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 190 से अधिक क्षेत्रों के प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई, जिसमें लगभग 6000 प्रतिभागी रहे। जैन

विद्या कार्यशाला संयोजक श्री पुखराज डागा एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के पदाधिकारियों एवं संयोजकगण के प्रति हार्दिक आभार। जैन विद्या कार्यशाला की प्रेरणा हेतु मुनिश्री योगेशकुमारजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। इस वर्ष से जैन विद्या कार्यशाला हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

❋ डिजिटल पत्रिका का शुभारम्भ

- समण संस्कृति संकाय द्वारा में समण संस्कृति संकाय की डिजिटल पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर जारी है। इस पत्रिका में स्वाध्याय, परीक्षाओ इत्यादि संबंधी सूचनाएं निरन्तर प्रकाशित की जाती है। अभी तक कुल 15 संस्करणों का प्रकाशन एवं प्रसार किया जा चुका है।

❋ तेरापंथ सभाओं के माध्यम से केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति।

- समण संस्कृति संकाय द्वारा संस्कारों के अधिकाधिक प्रसार की दृष्टि से तेरापंथी सभाओं के माध्यम से केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति की गई। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रदत्त विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

प्रसन्नता का विषय है कि इस वर्ष भी अभी तक जैन विद्या परीक्षाओं हेतु 16000 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

❋ नवीन कार्यालय का शुभारम्भ

- समण संस्कृति संकाय हेतु जैन विश्व भारती परिसर में सुसज्जित कार्यालय तैयार किया गया है एवं नवीन कार्यालय से कार्य व्यवहार प्रारम्भ हो गया है।

❋ कृतज्ञता/आभार

समण संस्कृति संकाय के विकास में जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का महनीय मार्गदर्शन व कार्यशालाओं आदि में सान्निध्य समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। अनेक चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद का निरन्तर दिशानिर्देशन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जैन विद्या परीक्षाओं के संयोजक डा. विजय संचेती, जैन विद्या कार्यशाला संयोजक श्री पुखराज डागा, सह संयोजक श्री राजेश दुगड़, आगम मंथन प्रतियोगिता संयोजक श्री गौतमचंद डागा, सह–संयोजक श्रीमती मंगला कुण्डलिया, प्रभारी स्नेहलता चौरड़िया, जैन विद्या परीक्षा सह संयोजक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, श्रीमती सुशीला गोलछा, श्रीमती ललिता धारीवाल, श्रीमती विमला कोठारी का हार्दिक आभार। केन्द्र व्यवस्थापकों ने अपनी संपूर्ण जिम्मेदारी व सजगता से अध्ययन, अध्यापन व परीक्षा संबंधी स्थानीय व्यवस्थाओं आदि का दायित्व निर्वहन किया, इस हेतु उनके प्रति आभार। समण संस्कृति संकाय को विशिष्ट मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु श्री उमेश सेठिया का हार्दिक आभार। जैन विद्या परीक्षाओं के आयोजन में विभिन्न स्थानीय संघीय संस्थाओं, आंचलिक संयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं के सहयोग एवं श्रम हेतु हार्दिक साधुवाद। समण संस्कृति संकाय, लाडनूं कार्यालय प्रभारी श्री आकाश सेन, उनके सहयोगी श्री गोविंद सिंह एवं श्री तुलसीराम के कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद। जैन विश्व भारती सचिवालय द्वारा प्रदत्त सहयोग हेतु हार्दिक आभार। कोविड काल के दौरान में संकाय से जुड़े हुए सदस्यों के परिवार में हुई क्षति के लिए सादर श्रद्धाजंलि।

प्रस्तुति

मालंचद बेगानी

विभागाध्यक्ष

शिक्षा के साथ–साथ सेवा सेवा के क्षेत्र में भी जैन विश्व भारती अग्रणी है। जैन विश्व भारती परिसर में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला', विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र एवं बीदासर में 'श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र' सुचारू रूप से संचालित है।

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला

राष्ट्र संत युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी की सद्प्रेरणा से उनके अग्रज सेवाभावी मुनिश्री चम्पालालजी की स्मृति में सन् 1978 में जैन विश्व भारती में सेवा की एक इकाई के रूप में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' का शुभारम्भ किया गया। परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी के शुभाशीर्वाद से सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला विगत लगभग 41 वर्षों से जन सामान्य की चिकित्सा सेवा में संलग्न है।

रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से 345 प्रकार की शास्त्रीय तथा 37 प्रकार की प्रोपराइटरी (अनुभूत) औषधियों के निर्माण हेतु ड्रग मेन्यूफेक्चरिंग लाईसेंस नं. 692–डी प्राप्त है, जिसके अन्तर्गत विशिष्ट औषधियों का निर्माण कुशल वैद्यों के निर्देशन में उच्च स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण पद्धति के साथ किया जाता है। रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से जीएमपी सर्टिफिकेट अर्थात् विशुद्ध औषध निर्माण पद्धति का प्रमाण पत्र प्राप्त है।

रसायनशाला का दृष्टिकोण कभी व्यवसायिक नहीं रहा, इसलिए मात्रा को आधार मानकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता के साथ कभी समझौता नहीं किया गया एवं उत्तम किस्म की औषधियों का निर्माण करना ही इसका मुख्य लक्ष्य रहा है। रसायनशाला की आलोच्य वर्ष की गति–प्रगति की जानकारी इस प्रकार है–

❋ निःशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा सेवा

- आलोच्य अवधि में कुल 1679 रोगियों ने निःशुल्क सेवा सुविधा का लाभ प्राप्त किया।

❋ सेवाभावी एंटीवायरल फार्मूले का विशेष प्रसार

- कोविड महामारी के काल में प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित अनुसार सेवाभावी हर्बल उत्पाद के अन्तर्गत इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास में सहायक उत्पाद के रूप में उक्त निर्माण कार्य वृहद् स्तर पर किया गया। समाज के प्रत्येक घर में पहुंचाने की दृष्टि से श्रावक समाज एवं तेरापंथ युवक परिषद का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

❋ निःशुल्क आयुर्वेद शिविरों का विभिन्न स्थानों पर संचालन

- दिनांक 01 अप्रैल 2021 से 3 अप्रैल 2021 तक बालोतरा में निःशुल्क आयुर्वेद शिविर का अनुदानदाता के सहयोग से संचालन। शिविर सहयोगी श्री महावीरजी ढेलड़िया के प्रति हार्दिक आभार।

- शिविर में सहयोग के लिए वैद्य श्री ओमप्रकाश शर्मा, सहायक सूर्यप्रकाश, मनोज हीरावत के प्रति आभार।

❋ आभार

रसायनशाला के विकास हेतु जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं रसायनशाला के पदेन न्यासी श्री

मनोज कुमार लूनियां एवं मंत्री श्री प्रमोद बैद के सक्रिय सहयोग एवं समन्वय भाव हेतु हार्दिक आभार। रसायनशाला के न्यासी श्री अभयराज बैंगानी का दैनिक प्रशासनिक कार्यों में निरन्तर मार्गदर्शन, सहयोग एवं सेवाएं प्राप्त हो रही है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार। अन्य सभी न्यासीगणों श्री रूपचंद दूगड़–मुंबई, श्री सुखराज सेठिया–दिल्ली, श्री बाबूलाल सेखानी–अहमदाबाद, श्री जीवनमल जैन (मालू)–बंगाईगांव एवं श्री गिरीश लूनिया–विराटनगर के समय–समय पर प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु आभार। रसायनशाला के विकास, प्रचार–प्रसार, उत्पादन कार्य आदि में श्री आलोक भंसाली–वाराणसी का उल्लेखनीय मार्गदर्शन, सेवाएं व सहयोग प्राप्त हो रहा है, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार। आयुर्वेद के अनुभवी वैद्य श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं कार्यालय सहयोगी श्री मनोज हीरावत की सेवाओं हेतु साधुवाद एवं सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

मूलचंद नाहर

मुख्य न्यासी

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला

श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र, बीदासर

प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर एवं फिजियोथेरेपी पद्धति से रोगियों की चिकित्सा हेतु श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र की स्थापना जैन विश्व भारती की एक इकाई के रूप में बीदासर में की गई। यह केन्द्र स्वास्थ्य,शांति और आचरण का एक समन्वित उपक्रम है। यहां आधुनिक उपकरणों द्वारा व्यायाम की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में केन्द्र के अंतर्गत होम्योपैथिक चिकित्सा से रोगियों को स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है, जिसमें केवल बीदासर ही नहीं अपितु आस–पास के अनेक गांवों से प्रतिमाह लगभग रोगी आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं। प्रत्येक रविवार को तेरापंथ भवन, बीदासर में शिविर लगाया जाता है, जिसमें चारित्रात्माओं के अलावा गांव के लोग भी स्वास्थ्य लाभ हेतु आते हैं। चिकित्सालय से आलोच्य अवधि में लगभग 2000 रोगियों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त किया। चिकित्सा प्रभारी एवं हौम्योपेथिक विभाग में सेवारत डॉ. विजेन्द्र कुमार गौड़ ने सेवानिवृत्ति प्राप्त की, उनको कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र

सेवा के क्षेत्र में जैन विश्व भारती द्वारा 'विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति' के नाम से उपक्रम संचालित है। जैन विश्व भारती स्थित आरोग्यम चिकित्सालय में संचालित इस चिकित्सा केन्द्र में विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा पद्धति द्वारा विभिन्न जटिल रोग जैसे– लकवा, पोलियो, स्लिप डिस्क, स्पोण्डिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी के रोगों के इलाज के साथ दमा, उच्च रक्तचाप आदि का भी सुगम ईलाज किया जा सकता है। जैन विश्व भारती में आवासित लोगों के साथ–साथ स्थानीय सभी जाति एवं वर्ग के लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं तथा दूर–दराज क्षेत्रों से भी चिकित्सा हेतु लोग उपस्थित होते हैं। इस चिकित्सा केन्द्र से आलोच्य अवधि कुल 900 रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। वर्तमान में चिकित्सक के रूप में डॉ. हिमांशु मालपुरी कार्यरत है। उनको कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

समणी केन्द्र व्यवस्था

प्रारम्भ से ही समण श्रेणी की व्यवस्था का दायित्व निर्वहन कर जैन विश्व भारती अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही है। जैन विश्व भारती परिसर में स्थित गौतम ज्ञानशाला में समणीवृंद का निरन्तर प्रवास रहता है। जैन विश्व भारती की समस्त गतिविधियों में समण श्रेणी की सक्रिय सहभागिता रहती है। विदेश यात्रा से संबंधित पासपोर्ट, वीजा, कानूनी दस्तावेज आदि तैयार करवाने तथा देश–विदेश में यात्रायित समण श्रेणी के विभिन्न वर्गों से बराबर संपर्क एवं अपेक्षित कार्यों की संपूर्ति में जैन विश्व भारती की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। समण श्रेणी की भारत एवं विदेश यात्राओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय भी जैन विश्व भारती द्वारा किया जाता है।

✻ नवीन नियोजिका नियुक्ति

- पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा समणी नियोजिकाजी के रुप में समणी अमलप्रज्ञाजी को नियुक्ति प्रदान की गई है, नवनियुक्त नियोजिका जी के आगामी कार्यकाल के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामना एवं पूर्व नियोजका समणी मल्लीप्रज्ञाजी के प्रति श्रेणी आरोहण हेतु आध्यात्मिक मंगलकामनाएं एवं मंगलभावना।

विदेश के केन्द्रों में वर्ष 2020–21 में लगभग स्थायी रूप से निम्नलिखित समणी वृन्द प्रवासित रहे–

1.	समणी मलयप्रज्ञा एवं समणी नीतिप्रज्ञा	:	न्यूजर्सी
2.	समणी सन्मतिप्रज्ञा एवं समणी जयन्तप्रज्ञा	:	ओरलेण्डो
3.	समणी पुण्यप्रज्ञा एवं समणी जिज्ञासाप्रज्ञा	:	ह्यूस्टन
4.	समणी चैतन्यप्रज्ञा एवं समणी हिमप्रज्ञा	:	मियामी
5.	समणी प्रतिभाप्रज्ञा एवं समणी स्वर्णप्रज्ञा	:	लंदन

उपर्युक्त केन्द्रों एवं यात्राओं के दौरान वहां प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण एवं जैन धर्म दर्शन के अनेक विषयों पर समणीवृंद के व्याख्यान, सेमिनार, शिविर एवं कार्यशालाएं आयोजित हुई।

विगत लॉकडाउन की अवधि में समणीवृन्द के द्वारा जैन धर्म, दर्शन इत्यादि विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन करवाया गया एवं विषम परिस्थितियों में श्रावक समाज के मनोबल को बनाए रखने हेतु विशेष पाथेय प्रदान किया गया। समणीवृंद के श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता एवं व्यवस्थाओं में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु आभार।

प्रेक्षा फाउण्डेशन

प्रेक्षा फाउण्डेशन' जैन विश्व भारती का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। यह प्रेक्षाध्यान संबंधी समग्र गतिविधियों की सर्वोच्च नियामक संस्था है। इसका ध्येय है– प्रेक्षाध्यान को विश्वव्यापी बनाकर समस्त मानव जाति की आध्यात्मिक सेवा करना। प्रेक्षा फाउण्डेशन पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी एवं प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के अमूल्य अवदान 'प्रेक्षाध्यान' को वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के कुशल आध्यात्मिक नेतृत्व में निष्ठा से संचालित कर रहा है।

❋ आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र

- जैन विश्व भारती के सप्त सकारों में साधना का विशेष स्थान है। इस साधना की प्रभावक प्रस्तुति में 'आचार्यतुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र' विशेष रुप से सक्रिय है। साधना के लिए साधनामय वातावरण एवं उपयुक्त स्थान की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से 'आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र' अत्यन्त प्रभावी क्षेत्र है। यहां शारीरिक, मानसिक और भावात्मक सुविधा एवं मुक्तता से व्याप्त वातावरण एक साधक को प्रदान किया जाता है।
- प्रेक्षाध्यान का यह केन्द्र संबोधि ध्यान कक्ष, अर्हम सभागार, आंनद निलय साधक निवास जैसी अनेकों व्यवस्थाओं के साथ आत्मसाक्षात्कार एवं स्व की अनुभूति का सशक्त माध्यम है।
- यह केन्द्र संभवतः राजस्थान प्रदेश का प्रथम ध्यान केन्द्र है जो इतने भव्य ध्यान कक्ष एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। आगामी समय में पिरामिडनुमा निर्मित मुख्य ध्यानकक्ष में साउण्ड और रंग आधारित प्रेक्षाध्यान पद्धति हेतु आवश्यक संयत्रों की स्थापना की जा रही है। सात्विक भोजन हेतु निर्मित ऐषणा भोजनशाला का स्थान भी स्वयं में कर्मयोग की प्रेरणा प्रदान करता है।

❋ प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन

- प्रेक्षा फाउण्डेशन नियमित रूप से प्रेक्षाध्यान शिविरों का आयोजन करता है, जिसमें हजारों लोग संभागी बनकर लाभान्वित हो चुके हैं। प्रेक्षा फाउण्डेशन जैन विश्व भारती, लाडनूं सहित देश के अन्य शहरों में भी प्रेक्षाध्यान शिविरों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करता है। आलोच्य अवधि में प्रतिमाह आयोजित होने वाले प्रेक्षाध्यान आवासीय शिविरों की श्रृंखला में 3 शिविरों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी शामिल था। कोराना काल की विषम परिस्थितियों के कारण केन्द्र में शिविरों का आयोजन पूर्व निर्धारित तिथियों पर नहीं हो सका।
- उक्त शिविरों में सैंकड़ों शिविरार्थियों ने सहभागिता कर प्रेक्षाध्यान का लाभ उठाया। शिविर के दौरान समणी नियोजिका मल्ली प्रज्ञाजी, समणी मधुरप्रज्ञाजी, समणी विनीतप्रज्ञाजी, समणी मंजुलप्रज्ञाजी, समणी श्रेयसप्रज्ञाजी, समणी अमलप्रज्ञाजी, समणी संगीतप्रज्ञाजी आदि का सान्निध्य, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण सहयोग प्राप्त हुआ, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। वर्ष भर में लाडनूं में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में प्रेक्षा प्रशिक्षक श्री गौतम गादिया, श्री विमल गुनेचा, अपनी सेवाएं प्रदान की गयी, एतदर्थ हार्दिक आभार।

❋ प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर

- प्रेक्षा प्रशिक्षक संयोजक श्री राजेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर, लाडनूं में दस दिवसीय प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर लेवल –1 एवं लेवल –2 का आयोजन दिनांक 21 मार्च से 29 मार्च 2021 को किया गया जिसमें 60 व्यक्तियों ने सहभागिता की। शिविर में सहयोग हेतु श्रीमती विजया छल्लाणी, श्री विकास जैन, श्रीमती मंजू सिपानी, श्रीमती पुष्पा बोथरा का हार्दिक आभार।

  इसी प्रकार दिनांक 5 मार्च से 7 मार्च तक सूरत में त्रिदिवसीय प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर लेवल –1 का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 26

प्रतिभागियों ने सहभागिता की। शिविर में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु श्री राजेन्द्र मोदी का आभार।

❋ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का ग्लोबल आयोजन

- दिनांक 21 जून को प्रेक्षा फाउंडेशन एवं प्रेक्षा इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व योग दिवस का दो सत्रों में ऑनलाइन आयोजन किया गया। ग्लोबल स्तर पर आयोजित ये प्रथम आयोजन था जिसमें जापान, रशिया, यूके, क्रोएशिया, अमेरिका, मेक्सिको, फ्रांस इत्यादि देशों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। संतुलित जीवन एवं शरीर, मन और भाव के समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति के लक्ष्य के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदेशी सेन्टर्स पर प्रवासित समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी, समणी सन्मतिप्रज्ञाजी और समणी पुण्यप्रज्ञाजी का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रेक्षा योग वीडियो चैलेंज में विभिन्न देशों से 120 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई। इस कार्यक्रम को हजारों व्यक्तियों द्वारा यूट्यूब एवं फेसबुक के माध्यम से देखा गया।

❋ प्रेक्षा दिवस का आयोजन

- प्रेक्षा दिवस दिनांक 30 सितम्बर को पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया एवं एक नवीन रिकार्ड बनाया गया। गुरुदेव द्वारा करवाए गए प्रेक्षाध्यान के प्रयोग को एक साथ 800 व्यक्तियों ने ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

❋ प्रेक्षावाहिनीयों का गठन

- आलोच्य वर्ष में हरियाणा, बैंगलौर, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में नवीन प्रेक्षावाहिनीयों का गठन किया गया। वर्तमान में प्रेक्षावाहिनीयों के अन्तर्गत साधकों की संख्या लगभग 4600 हो गयी है। प्रेक्षावाहिनीयों की गति प्रगति हेतु मासिक बैठक का प्रावधान इस वर्ष से जूम ऐप के माध्यम से प्रारम्भ किया गया है। वर्तमान में देशभर में संचालित प्रेक्षावाहिनीयों की संख्या 168 है। प्रेक्षावाहिनीयों की गति–प्रगति जानने के उद्देश्य से राष्ट्रीय, जोनल एवं स्थानीय स्तर पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर तीन, जोनल स्तर पर 3 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

  प्रेक्षावाहिनीयों के गठन में विशेष भूमिका निर्वहन के लिए श्रीमती उषा धारेवा का हार्दिक आभार।

❋ प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल 1 प्रारंभिक साधना प्रशिक्षण

- ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से 10 बैच में प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें कुल 12,000 संभागियों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में एक माह तक प्रतिदिन 1 घंटा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

❋ प्रेक्षाध्यान केन्द्रों का संबद्धता

- आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशताब्दी वर्ष में एकरुपता से संबद्धता प्रदान करने का कार्य इस वर्ष भी गतिमान रहा जिसके अन्तर्गत आलोच्य अवधि में तीन नवीन केन्द्रों को मान्यता प्रदान की गई। केन्द्रों की स्थापना में श्री विकास जैन, मुम्बई का विशेष सहयोग प्राप्त, अतएव हार्दिक आभार।

❋ प्रेक्षाध्यान मासिक पत्रिका एवं डिजिटल पत्रिका

- प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा विगत 40 वर्षो से प्रकाशित प्रेक्षाध्यान पत्रिका का इस वर्ष से डिजिटल संस्करण भी प्रारम्भ किया गया, जो पाक्षिक रुप से प्रेषित की जा रहा है, वर्तमान में उक्त संस्करण का प्रेषण सोशल मीडिया के माध्यम से किया रहा है।
- प्रेक्षाध्यान पत्रिका के कुशल संपादक श्री लूणकरण छाजेड़, गंगाशहर का हार्दिक आभार।

❋ अन्य उल्लेखनीय कार्य

- प्रत्येक रविवार को प्रेक्षाध्यान से संबंधित विविध विषयों पर समग्रता से विश्लेषण किया जाता है एवं ऑनलाइन माध्यम से हजारों व्यक्ति इसका लाभ प्राप्त कर रहे है।
- प्रतिदिन सुबह यूट्यूब के माध्यम से लाइव कक्षाओं का आयोजन।
- वर्षो की प्रेक्षाध्यान साधना नाम का विशेष कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी वरिष्ठ प्रेक्षा प्रशिक्षकों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए।

❋ प्रेक्षा वीडियो एवं ऑडियो का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारण

- विगत चार वर्ष पूर्व प्रारम्भ की गई प्रेक्षाध्यान ऑडियो, वीडियो एवं क्लीपिंग के प्रसारण की

श्रृंखला सतत् जारी है। प्रतिदिन सोशल मीडिया के माध्यम से लगभग 1.50 लाख व्यक्तियों तक प्रसारण। सवांद प्रेषण के उक्त कार्य में श्री विमल घीया, अहमदाबाद का हार्दिक आभार।

❊ प्रेक्षा प्रशिक्षक संभागस्तरीय समन्वयक की नियुक्ति

- प्रेक्षा प्रशिक्षकों की सार संभाल हेतु जोन (संभाग) के अनुसार समन्वयकों की नियुक्ति की गई है जिसके अन्तर्गत श्री मनोज सुराणा, श्री बिमल गुनेचा, श्रीमती मंजू सिपानी, श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती मीना साबद्रा को नियुक्ति प्रदान की गई, सभी समन्वयकों को कार्यकाल की सफलता हेतु शुभकामनाएं।

❊ कृतज्ञता/आभार

प्रेक्षाध्यान प्रवृत्ति के विकास हेतु प्रेक्षाध्यान के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कुमारश्रमणजी का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है साथ ही गुरुकुलवास में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों/ कार्यशालाओं आदि में मुनिप्रवर का एवं मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का सान्निध्य व पाथेय प्राप्त होता है, इस हेतु मुनिवृन्द के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समय–समय पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाले प्रेक्षाध्यान शिविरों व कार्यशालाओं में सान्निध्य एवं प्रशिक्षण प्रदान करवाने हेतु चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। पूर्व समणी नियोजिका मल्लीप्रज्ञाजी एवं वर्तमान समणी नियोजिका अमलप्रज्ञाजी एवं समणी श्रेयसप्रज्ञाजी द्वारा लाडनूं में आयोजित शिविर संचालन व्यवस्था में कुशल मार्गदर्शन प्रदान किया, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रेक्षा प्रशिक्षक संयोजक श्री राजेन्द्र मोदी, इन्दौर, प्रेक्षा फाउंडेशन के सह संयोजक श्री अमित जैन, मुम्बई का समय–समय पर अपेक्षित सहयोग एवं मार्गदर्शन हुआ, एतदर्थ हार्दिक आभार। ऑनलाइन आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों में तकनीकी सहयोग हेतु श्री विनोद पावेचा, बैंगलोर का हार्दिक आभार। प्रेक्षा प्रशिक्षकों, प्रेक्षावाहिनी संवाहकों आदि की सेवाओं व सहयोग हेतु आभार। प्रेक्षा फाउण्डेशन की व्यवस्थाओं के सुनियोजन में डॉ. विजयश्री शर्मा की सेवाओं हेतु धन्यवाद। प्रेक्षा फाउंडेशन में कार्यरत श्री आशीष गुर्जर द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति
अशोक चण्डालिया
चेयरमैन
प्रेक्षा फाउंडेशन

मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग

जैन विश्व भारती का वर्तमान तकनीकों के युग में एक महत्वपूर्ण विभाग है – मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग। जैन विश्व भारती के आयामों को जन–जन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैन विश्व भारती के इस विभाग के माध्यम से जैन विश्व भारती की विविध गतिविधियों यथा प्रेक्षा फाउंडेशन, समण संस्कृति संकाय, आदर्श साहित्य विभाग तथा संबोधि जैसे नवाचार के प्रचार प्रसार में भी विशेष योगदान दिया।

नवप्रकाशित साहित्य एवं पुनः प्रकाशित साहित्य हो अथवा संबोधि–ऐ स्पीको लाइब्रेरी जैसे नवाचार, प्रत्येक संवाद को लाखों व्यक्तियों तक पहुंचाने में अपने दायित्व का निर्वहन जागरुकता से किया। प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा प्रतिदिन प्रसारित होने वाली प्रेक्षाध्यान क्लिपिंग, ऑडियो एवं वीडियो को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने हेतु एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के विशेष कार्यक्रम हेतु मीडिया एवं प्रचार–प्रसार विभाग के कर्मठ कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती की प्रत्येक प्रवृत्ति को घर–घर पहुंचाने में विभाग के कार्यकर्ताओं का श्रम सदैव मुखर रहा है।

जैन विश्व भारती के प्रत्येक उपक्रम को सोशल मीडिया के माध्यम से पूर्ण निष्ठा के साथ जन–जन तक पहुंचाने में हमारे कार्यकर्ताओं का सहयोग सदैव प्राप्त रहा एवं जैन विश्व भारती के पदाधिकारियों, न्यासीगणों सभी का मार्गदर्शन प्राप्त रहा एवं सदैव प्रेरणा प्राप्त रही। हमारे विशिष्ट कार्य सहयोगी व सह संयोजक श्री महावीर बी. सेमलानी, जैन विश्व भारती कार्यालय सचिव डा. विजयश्री शर्मा एवं श्री विनोद डांगरा का हार्दिक आभार।

हमारे कार्यसहयोगी अमर रहेगा धर्म हमारा ,संघ संवाद, जैन तेरापंथ न्यूज, एमएमबीजी इत्यादि मीडिया सहायकों के विशिष्ट सहयोग हेतु आभार।

प्रस्तुति
धरमचंद लुंकड
संयोजक, मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग

साहित्य

साहित्य प्रकाशन जैन विश्व भारती की महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। आगम, जैन विद्या, प्रेक्षाध्यान से संबधित एवं अन्य जीवनोपयोगी साहित्य के साथ पूज्यवरों, चारित्रात्माओं, समण– समणीवृंद तथा शोधार्थियों द्वारा लिखित/संपादित साहित्य का प्रकाशन विगत 46 वर्षों से किया जा रहा है।

❊ नवीन प्रकाशन एवं पुर्नमुद्रण

- आलोच्य अवधि में निम्न प्रकार से नवीन शीर्षक प्रकाशित हुए

  कुल शीर्षक – 36

  प्रतियों की संख्या – 35,700 प्रतियां
- देश की प्रतिष्ठित प्रेस थामसन प्रेस के माध्यम से आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा लिखित पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करणों की कुल 13,000 प्रतियों का प्रकाशन करवाया गया, कार्य में सहयोगी न्यूजर्सी सेन्टर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

- **आलोच्य अवधि में निम्न प्रकार से पुनर्मुद्रण करवाया गया –**

  कुल शीर्षक – 56

  प्रतियों की संख्या – 84,650 प्रतियां

❊ जय तिथि पत्रक एवं कैलेण्डर का प्रकाशन

- आलोच्य अवधि में जय तिथि पत्रक की 8,000 प्रतियों का प्रकाशन करवाया गया। परमाराध्य आचार्यप्रवर के निर्देशानुसार मुनिश्री उदित कुमारजी ने जय तिथि पत्रक का संपादन किया। मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।
- जैन विश्व भारती साहित्य के बारे में आमजन को जानकारी प्राप्त हो सके इस उद्देश्य से प्रकाशित साहित्य की जानकारी के साथ 2000 कैलेण्डर का मुद्रण करवाया गया । इस वर्ष विशेष रुप से पांच नवीन आगमों का प्रकाशन करवाया गया एवं तीन आगमों के पुनर्मुद्रण का कार्य भी करवाया गया।

❊ संबोधि ऐप्स की लाइब्रेरी

- पर्यावरण सरंक्षण एवं कर्म निर्जरा की दृष्टि से संकल्पित इस उपक्रम के लिए प्रथम वर्ष में बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। वर्तमान में इस ऐप को 27,000 से अधिक व्यक्तियों ने डाउनलोड किया है एवं वर्तमान में इस ऐप्प पर 701 पुस्तकें उपलब्ध है। उक्त कार्य में जैन विश्व भारती संयुक्त मंत्री श्री विजयराज आंचलिया एवं श्री उमेश सेठिया का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, अतएव उनके प्रति हार्दिक आभार।
- संबोधि ऐप को नवीन प्लेटफार्म के रुप में उपयोग प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत समण संस्कृति संकाय द्वारा आयोजित की जाने वाली जैन विद्या परीक्षाओं का ऑनलाइन आयोजन इस ऐप के माध्यम से सफलतापूर्वक किया जा रहा है। साथ ही साथ अन्य संस्थाओं यथा अणुव्रत क्विज आदि हेतु भी इस ऐप के उपयोग का प्रस्ताव बनाया गया है।
- आगामी परियोजना के अन्तर्गत आगमों को संबोधि ऐप पर उपलब्ध करवाया जाएगा एवं परियोजना पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। शीघ्र ही इस ऐप के माध्यम से आगमों का अध्ययन किया जा सकेगा। साहित्य डिजिटल विभाग के विकास हेतु मूलभूत संसाधनों की उपलब्धता करवाने हेतु श्री विजयराज आंचलिया, चेन्नई द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया, अतएव उनके प्रति हार्दिक आभार।

❊ साहित्य के वेब पोर्टल पर साहित्य की उपलब्धता

- साहित्य के वेबपोर्टल पर वर्तमान मे 1350 पुस्तकें ऑनलाइन विक्रय हेतु उपलब्ध है एवं इसके अलावा 350 पुस्तकें ऑनलाइन अध्ययन हेतु भी उपलबध है। घर बैठे पुस्तक क्रय करने का अत्यन्त ही सहज पोर्टल उपलब्ध है।

❊ अमेजॉन एवं फ्लिपकार्ट पर साहित्य की उपलब्धता

- विश्व की लोकप्रिय ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट अमेजॉन पर विक्रय हेतु जैन विश्व भारती का साहित्य उपलब्ध है। अमेजॉन किंडल पर जैन विश्व भारती प्रकाशन की 193 से अधिक बेहतरीन पुस्तकें अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में उपलब्ध करवा

दी गई है एवं विदेशी पाठकों यथा मेक्सिको, जापान एवं अमेरिका से पाठकों की अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। आगामी समय में उक्त पुस्तकों की संख्या में वृद्धि की जा रही है।

❋ प्रथमतः ई–बुक के रुप में प्रकाशन

- जैन विश्व भारती द्वारा साहित्य को अधिकाधिक व्यक्तियों तक पहुंचाने की दृष्टि से साहित्य समिति से प्राप्त स्वीकृति के पश्चात पुस्तकों का ईबुक के रुप में प्रकाशन प्रारम्भ किया है एवं वर्तमान में तीन पुस्तकें इस रुप में प्रकाशित हो चुकी है। इस योजना हेतु स्वीकृति प्रदान करने के लिए साहित्य समिति के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

❋ करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान ग्लोबल क्विज का आयोजन

- लॉकडाउन की परिस्थितियों में श्रावक समाज को घर बैठे स्वाध्याय की दृष्टि से जैन विश्व भारती के विदेशी सेन्टर्स यथा न्यूजर्सी, लंदन, ओरलेण्डो, ह्यूस्टन, मियामी आदि के संयुक्त तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के षष्टिपूर्ति वर्ष के उपलक्ष्य में आचार्यश्री की 18 कृतियों पर आधारित उक्त ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का संचालन प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को किया जा रहा है एवं वर्तमान में 7 प्रतियोगिताओं में कुल 2000 प्रतिभागियों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। क्विज में विजताओं को क्रमशः 101 अमेरिकन डॉलर, 51 अमेरिकन डॉलर एवं 31 अमेरिकन डॉलर का अवार्ड प्रेषित किया जा रहा है।

❋ गुरुकुलवास में चल साहित्य विक्रय केन्द्र का संचालन

- पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा एवं चातुर्मासिक प्रवास में निरन्तर जैन विश्व भारती के चल साहित्य विक्रय केन्द्र का संचालन किया जा रहा है एवं इस वर्ष से इस केन्द्र को टेली एवं बार कोडिंग से संबद्ध कर दिया गया है। इस चल साहित्य विक्रय केन्द्र के माध्यम से पाठक वर्ग एवं श्रावक समाज बहुपयोगी पुस्तकों को आसानी से प्राप्त कर पा रहे हैं। चल साहित्य विक्रय केन्द्र के प्रभारी श्री नंदराम सिमार एवं उनके सहयोगी श्री केशव, श्री मुकेश एवं श्री सोहनलाल का कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन के लिए हार्दिक आभार।

❋ अन्य कार्य

- छापर निवासी बैंगलोर प्रवासी श्री लक्ष्मीपत दुधेड़िया परिवार के प्रति साहित्य विभाग को प्रदत्त विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।
- संबोधि पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद हेतु श्री पूनमचंद आलोक बरड़िया बैंगलोर द्वारा प्रदत सहयोग हेतु हार्दिक आभार।
- बुक्स रिसायकल योजना के अन्तर्गत कार्य जारी है एवं आलोच्य अवधि में तीन स्थानों से साहित्य प्राप्त हुआ।
- साहित्य को संरक्षित करने की दृष्टि से स्टॉक में रखी हुई समस्त प्रतियों को शीट के अन्तर्गत पैंकिग का विशेष कार्य प्रारम्भ किया गया है।

❋ आगामी महत्वपूर्ण परियोजनाएं

- साहित्य विभाग के सुचारु संचालन हेतु आधुनिकतम सुविधाओं युक्त आदर्श साहित्य भवन के निर्माण के लक्ष्य।
- पाठकों को प्रत्येक समय पुस्तकों की उपलब्धता हेतु प्रिंट ऑन डिमाण्ड प्रोजेक्ट पर कार्य जारी। लाडनूं कार्यालय में इस हेतु आवश्यक संयत्रों की स्थापना।

❋ कृतज्ञता/आभार

आगम संपादन, साहित्य लेखन व सृजन कार्य में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का समय–समय पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त होता है, एतदर्थ पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आचार्यप्रवर के निर्देशन में आगम संपादन एवं साहित्य संपादन के कार्य में 'आगम मनीषी' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री कीर्ति कुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी, मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी, साध्वीश्री जिनप्रभाजी, साध्वीश्री विमलप्रज्ञाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी, साध्वीश्री शुभ्रयशाजी, साध्वीश्री सुमतिप्रभाजी, प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञाजी आदि चारित्रात्माओं/समणीवृंद का श्रम मुखर होता है, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। साहित्य संबंधी कार्यों में संलग्न सभी

साहित्य

चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता। सभी विद्वान् लेखकगण के प्रति हार्दिक आभार।

साहित्य मुद्रण संबंध कार्य में पायोराईट प्रिंट मीडिया प्रा. लि., उदयपुर के श्री संजय कोठारी, सांखला प्रिन्टर्स बीकानेर के श्री दीपचंद सांखला, पायोराइट प्रिंटर्स, जयपुर के श्री अनिल जैन, श्री वर्द्धमान प्रेस दिल्ली के श्री सम्यक् जैन, श्री श्रील लूंकड़, दिल्ली–उपहारलोक प्रेस एवं प्रिंट मैजिक, उदयपुर के श्री गिरिराज सिंह सांखला के सहयोग हेतु हार्दिक साधुवाद। साहित्य डिपो के अन्तर्गत श्री रमेश कोठारी –इन्दौर के सहयोग हेतु हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य की वितरण व्यवस्था में श्री दिलीप दूगड़– गुवाहाटी, श्री सुखराज पितलिया– सिरियारी, श्री भरतभाई शाह–सूरत, श्री इन्दर बैंगाणी–दिल्ली, श्री अशोक पारख–सिलीगुड़ी, श्री तुलसी जैन– तुसरा, श्री बजरंग कुमार सेठिया– सिलीगुड़ी, तुलसी महाप्रज्ञ फाउण्डेशन –मुंबई (कांदिवली), साहित्य सरिता–अहमदाबाद, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान– गंगाशहर, जय साहित्य संस्थान –चेन्नई, तेरापंथी सभा–सूरत, तेरापंथी सभा– दक्षिण दिल्ली, तेरापंथी सभा– शाहदरा, तेरापंथी सभा–रोहिणी, तेरापंथी सभा–सिलीगुडी, तेरापंथ युवक परिषद्–सूरत, तेरापंथ युवक परिषद्–उधना, तेरापंथ युवक परिषद–जयपुर आदि के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। साहित्य के प्रचार–प्रसार में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती साहित्य विभाग के सहायक प्रभारी श्री पंकज महर्षि एवं मनीष भोजक, बृजमोहन शर्मा तथा आचार्यप्रवर के साथ यात्रा में संचालित साहित्य विक्रय केन्द्र के प्रभारी श्री नंदराम सिमार एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

प्रस्तुति

पुखराज बडोला

विभागाध्यक्ष

आदर्श साहित्य विभाग

आगम-संपादन

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों में शोध का स्थान सर्वोपरि रहा है। प्रारंभ से ही गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसी ने इसे जैन धर्म, दर्शन, अध्यात्म आदि के एक उच्चस्तरीय शोध–संस्थान के रूप में परिकल्पित किया था। आगम संपादन, अनुवाद, भाष्य (या टिप्पण) आदि का कार्य इसी शोध–प्रवृत्ति के अंतर्गत जारी है। यह कार्य पूर्व में वाचना–प्रमुख आचार्य तुलसी एवं मुख्य संपादक विवेचक आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के निर्देशन में चला। वर्तमान में मूलतः समग्र आगम कार्य का प्रधान संपादन आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत आगमों के अनुवाद, टिप्पण, विभिन्न प्रकार के कोश निर्माण आदि की योजनाएं चल रही हैं। इसके प्रबंधन, मुद्रण, प्रचार–प्रसार आदि का सारा दायित्व जैन विश्व भारती द्वारा निर्वहन किया जा रहा है।

- ‘पन्नवणा’ के अनुवाद आदि का कार्य मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी एवं साध्वीश्री शुभ्रयशाजी द्वारा गतिमान है।
- ‘आगम मनीषी’ प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा ‘भगवई’ (भाष्य सहित) 6वें खण्ड का कार्य चल रहा है। इसमें शतक 21, 22, 23 का भाष्य लिखा जा रहा है। इसमें वनस्पति विज्ञान के संबंध में विस्तृत भाष्य है। 24वें शतक का कार्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा पहले ही संपन्न किया जा चुका है।
- आगम मनीषी बहुश्रुत प्रो. मुनिमहेन्द्रकुमारजी द्वारा भगवती खण्ड 6 एवं 7 का कार्य गतिमान है एवं विश्व पहेलियां कृति का पुर्नसंपादन अधुनातन वैज्ञानिक शोध के तुलनात्मक रूप में किया जा रहा है।
- डॉ. मुनि अभिजीतकुमारजी, मुनि जागृतकुमारजी एवं मुनि सिद्धकुमारजी द्वारा भगवती भाष्य खण्ड तीन का आंग्ल भाषा में अनुवाद किया जा रहा है।
- आगम मनीषी बहुश्रुत प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी की देखरेख में मुनि सिद्धकुमारजी द्वारा जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति के अनुवाद, संस्कृत छाया आदि कार्य गतिमान है।
- मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी द्वारा ‘अंतकृतदशा’ एवं ‘जीवाजीवाभिगम’ आगम ग्रंथ का कार्य गतिमान है।
- मुनिश्री जयकुमारजी द्वारा ‘अनुत्तरौपपातिकदशा’ आगम ग्रंथ का कार्य गतिमान है।
- डॉ. मुनिश्री अभिजितकुमारजी एवं मुनिश्री सिद्धकुमारजी द्वारा भगवई भाष्य के तीसरे खण्ड के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य रोमनलिपि के साथ किया जा रहा।
- साध्वीश्री मुदितयशाजी द्वारा ‘निरयावलिका’ आदि पांच उपांगों का कार्य प्रगति पर है।
- साध्वीश्री राजुलप्रभाजी ‘ज्ञाताधर्म कथा’ के संस्कृत रूपान्तरण के कार्य में संलग्न है।
- **‘उत्तरज्झयणाणि’** एवं **‘ठाणं’** आगम ग्रंथों का पुनर्मुद्रण का कार्य प्रगति पर है।
- मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी द्वारा सूर्यप्रज्ञप्ति एवं चन्द्रप्रज्ञप्ति आगमग्रंथ पर कार्य निरंतर गतिमान है।
- साध्वी ऋद्धिप्रभाजी ‘दसवेंआलियं’ और साध्वी वीरप्रभाजी द्वारा नायाधम्मकहाओ के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य गतिशील है।
- साध्वी निर्वाणश्री के द्वारा संपादित स्थानांग टीका के तीन भागों का प्रकाशन एवं औपपातिक वृत्ति का प्रकाशन।

आगम–संपादन संबंधी जैन शासन की प्रभावना का विशिष्ट कार्य परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मुख्य निर्देशन में हो रहा है, इस हेतु हार्दिक कृतज्ञता। इस कार्य में संलग्न उक्त उल्लेखित समस्त चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रेरणास्पद श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

कम्प्यूटर संबंधी कार्य में कार्यालय में कार्यरत श्री प्रमोद कुर्मी, श्रीमती कुसुम जैन, श्री बहादुरसिंह आदि द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

प्रस्तुति

मदनचंद दुगड़ ‘जौहरी’

संयोजक

शोध विभाग

समन्वय

पुरस्कार एवं सम्मान

जैन विश्व भारती द्वारा कुल 9 पुरस्कारों का संचालन विभिन्न प्रायोजकों के सहयोग से किया जा रहा है।

आचार्य तुलसी अनेकांत सम्मान

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,51,000 / — प्रतिवर्ष

आचार्य महाप्रज्ञ अहिंसा सम्मान

प्रायोजक	:	एम.जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,51,000 / — प्रतिवर्ष

महादेवलाल सरावगी जैन आगम मनीषा पुरस्कार

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000 / — प्रतिवर्ष

गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार

प्रायोजक	:	एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000 / — प्रतिवर्ष

जय तुलसी विद्या पुरस्कार

प्रायोजक	:	चौथमल कन्हैयालाल सेठिया चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत
पुरस्कार राशि	:	2,00,000 / — प्रतिवर्ष

संघ सेवा पुरस्कार

प्रायोजक	:	नेमचंद जेसराज सेखानी चेरिटेबल ट्रस्ट, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,25,000 / — प्रतिवर्ष

आचार्य तुलसी प्राकृत पुरस्कार

प्रायोजक	:	के. बी. डी. फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	:	1,00,000 / — प्रतिवर्ष

आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य पुरस्कार

प्रायोजक	:	सूरजमल सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	:	1,00,000 / — प्रतिवर्ष

प्रज्ञा पुरस्कार

प्रायोजक	:	श्री उम्मेदसिंह, विनोदसिंह, दिलीप दूगड़, तुरा—हैदराबाद—गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	:	1,00,000 / — प्रतिवर्ष

सभी पुरस्कार प्रायोजक परिवारों / ट्रस्टों के प्रति हार्दिक आभार।

विदेशों में केन्द्र

❋ जैन विश्व भारती, न्यूजर्सी

- समणी मलयप्रज्ञाजी एवं समणी नीतिप्रज्ञाजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी के षष्टिपूर्ति वर्ष के अवसर पर करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान नामक ग्लोबल क्विज का प्रारम्भ करवाया गया।
- प्रतिदिन व्याख्यान, भक्ताम्बर, सुरक्षा कवच, उवासगदसाओ का स्वाध्याय कराया गया। प्रतिदिन सांयकालीन प्रवचन का भी आयोजन।
- जैन कर्मवाद विषय –जैन परस्पेक्टिव पर 11 सप्ताह तक साप्ताहिक आयोजन का कार्यक्रम, इस कार्यक्रम को यू ट्यूब के माध्यम से 20,000 से अधिक व्यक्तियों द्वारा देखा गया एवं छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री गौतम चोरड़िया की विशेष उपस्थिति।
- समणी मलयप्रज्ञाजी एवं समणी नीतिप्रज्ञाजी के सान्निध्य में कौन बनेगा कर्मज्ञानी विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन।
- समणीवृन्द के सान्निध्य में बालक बालिकाओं हेतु प्रत्येक रविवार को ज्ञानशाला की कक्षाओं का आयोजन।
- पर्युषण पर्व के दौरान नमोकार मंत्र, प्रतिक्रमण एवं पेविंग द पाथ ऑफ प्यूरिटी विषय पर व्याख्यान।
- वर्षीतप पारणा के आयोजन में साध्वीप्रमुखा जी एवं मुख्य नियोजिकाजी के विशेष संदेश का वाचन।
- समणीवृन्द के सान्निध्य में भजन संध्या का आयोजन।
- केन्द्र पर होली मिलन समारोह एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन।
- समणीवृन्द के विशेष प्रयास से ऑडियो बुक के माध्यम से स्वाध्याय का क्रम जारी रहा एवं जूम के माध्यम से स्वाध्याय के 1000 सेशन का आयोजन।
- समणी मलयप्रज्ञाजी एवं समणी नीतिप्रज्ञा का मंगलभावना कार्यक्रम आयोजित।

Jain Vishva Bharati, NA (New Jersey),151 Middle Sex Avenue, Iseline, NJ-08830 USA,T. : 0732-404-1430

❋ जैन विश्व भारती, लंदन

- समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी एवं समणी स्वर्णप्रज्ञाजी का प्रवास। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में आयोजित जैन कान्फ्रेंस में अहिंसा प्रशिक्षण विषय पर व्याख्यान।
- यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन तथा राइस यूनिवर्सिटी टेक्सास, अमेरिका में जैन योग पर चार व्याख्यान दिए गए।
- लंदन के समस्त काउंसिलर की बैठक में जैन प्रेयर तथा बिल्डिंग ब्रिजेज ऑफ फेथस विषय पर वक्तव्य दिया।
- जैन मेडिकेशन विषय पर लंदन की जर्नल में विशेष आर्टिकल का प्रकाशन।
- लंदन सेन्टर पर नियमित प्रेक्षाध्यान, कायोत्सर्ग, आसन– प्राणायाम की कक्षाओं का आयोजन।
- दसवेंकालिक सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र, विपाकसूत्र तथा रायपसेणियं सूत्र पर समणीवृन्द द्वारा स्वाध्याय करवाया गया।
- नवपद ओली आराधना के अन्तर्गत गुजराती भाषा में कार्यक्रम एवं स्वाध्याय का आयोजन किया गया।
- समणी स्वर्णप्रज्ञाजी के द्वारा 60 बच्चों को भक्ताम्बर कंठस्थ एवं 60 व्यक्तियों का पच्चीस बोल कंठस्थ करवाए गए।
- कोरोनाकाल में शारीरिक, मानसिक समस्याओं के निदान हेतु लगभग 500 व्यक्तियों को प्रेक्षा चिकित्सा के द्वारा काउंसलिंग करवायी गई
- समणीवृन्द के नियमित वक्तव्यों का कनाडा, आयरलैण्ड, बेल्जियम आदि देशों में ऑनलाइन माध्यम से लाभ प्राप्त किया गया।

❋ जैन विश्व भारती, ह्यूस्टन

- समणी पुण्यप्रज्ञाजी एवं जिज्ञासा प्रज्ञाजी के सान्निध्य में 30 सितम्बर 2020 को भजन संध्या का आयोजन

- स्वर्ग में एक सीट खाली, दावेदार कौन नामक प्रतियोगिता का आयोजन।
- प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन जिसमे डा. हंसा, डा. हरीश एवं समणी पुण्यप्रज्ञाजी द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।
- पर्युषण काल में आचार्यश्री तुलसी के प्रवचनों की श्रृंखला पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन।
- ह्यूस्टन सेन्टर की 21वीं वर्षगांठ पर जैन विश्व भारती–सप्त सकार नाम से एक विशेष कार्यक्रम का 12 समणीवृन्द के सान्निध्य में ऑनलइन आयोजन जिसमें सम्पूर्ण विश्व से व्यक्ति जुड़े।
- कैसे जीएं सेशन का 10 सीरीज में आयोजन। तुम स्वस्थ रह सकते हो विषय पर आधारित 27 लेक्चर सीरीज का आयोजन।
- दिनांक 16 अप्रैल को सेन्टर पर वार्षिक आध्यात्मिक शिविर का डिस्कवर सेल्फ इन अनेकान्त एण्ड प्रेक्षाध्यान विषय पर आयोजन।

Jain Vishva Bharati, Houston, 1712 Hwy 6 South Houston, Texas 77077 (USA),T : 281-5969642, -4959733

❋ जैन विश्व भारती, ओरलेण्डो

- समणी जिनप्रज्ञाजी एवं समणी क्षांतिप्रज्ञाजी के सान्निध्य में साप्ताहिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत जैन विद्या परीक्षा प्रशिक्षण, जैन तत्व विद्या, जीव अजीव, रायपसेणियं, उत्तराध्ययन सूत्र पर स्वाध्याय का कार्यक्रम।
- व्रत दीक्षा, भक्ताम्बर कंठस्थ, अर्हत वंदना, उपसर्गहर स्त्रोत पर कार्यशालाओं का आयोजन।
- कोविड महामारी के दौरान लगातार 12 माह तक आयंबिल तपस्या का क्रम, नवरात्रा में अष्ट कर्मसूदन अनुष्ठान करवाया गया।
- महावीर निर्वाण दिवस पर घर–घर विशेष जाप का कार्यक्रम। पार्श्वनाथ जयंती के अवसर पर 27 दिन तक विशेष रुप से उपसर्गहर स्त्रोत व बीज मंत्र का जाप व अनुष्ठान करवाया गया।
- औरलेण्डो सेन्टर के वार्षिक कैम्प की सिल्वर जुबली का ग्लोबल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अप्पणा सच्चमेसेजा की थीम पर त्रिदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 600 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभागिता की गई एवं एक ई–बुक का भी विमोचन किया गया।
- आचार्यश्री महाप्रज्ञ जी के निर्वाण दिवस के अवसर पर प्रेक्षाध्यान का विशेष प्रयोग करवाया गया।
- गणाधिपति गुरुदेव तुलसी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अमेरिका के तीनों सेन्टर्स पर गुरुदेव तुलसी द्वारा लिखित गीतों पर संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- इंटरनेशनल जैन कन्वेंशन में प्रेक्षाध्यान के विशेष सेशन का आयोजन किया गया जिसमें पन्द्रह हजार से भी अधिक जैन व्यक्तियों ने प्रतिभागिता की।

Jain Vishva Bharati, USA (Orlando),7819 Lillwill Avenue, Orlando, Fl 32809 (USA),T : 407-852-8694

उपर्युक्त केन्द्रों में प्रवासित समणीवृंद के सान्निध्य में संस्कार निर्माण एवं जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित है। विदेशों में प्रवासित अनेक जैन परिवारों से समय–समय पर जैन विश्व भारती की गतिविधियों हेतु सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगी परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। केन्द्रों के पदाधिकारी गण एवं सक्रिय रूप से जुड़े कार्यकर्तागण के सहयोग एवं सेवाओं हेतु आभार। लंदन सेन्टर संयोजक श्री हंसमुख भाई एवं डा. सुनील दुगड़, ओरलेण्डो सेन्टर संयोजक श्री देवांग चितलिया, श्री मनोज गांधी, ह्यूस्टन सेन्टर संयोजक श्री स्वतंत्र जैन, श्री अशोक जैन एवं न्यूजर्सी सेन्टर संयोजक श्री सुरेन्द्र जैन कांकरिया का विशेष आभार। जैन विश्व भारती सेन्टर्स पर विराजित समस्त चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

संस्कृति

तुलसी कला दीर्घा

गणाधिपति पूज्य गुरुदेवश्री तुलसी की पुण्य स्मृति में जैन विश्व भारती में स्थापित तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलरी) आने वाले हर वर्ग के दर्शक को प्रभावित करती हैं कला केन्द्र में जैन धर्म को दर्शाने वाली प्राचीन एवं अर्वाचीन चित्रों एवं हस्तकलाओं की प्रचुर सामग्री का संग्रह किया गया है। दुर्लभ, कलापूर्ण, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की प्रदर्शन योग्य सामग्री के साथ तेरापंथ के आचार्यों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से संबंधित प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र तथा अन्य सामग्री को यहां पर शो विंडो में कलापूर्ण ढ़ंग से सुसज्जित किया गया है। मूल दीर्घा में ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र, रेखांकन तथा हस्तलेखों का विशाल संग्रह 40 टेबल शो केसों में प्रदर्शित किया गया है। नारियल, काष्ठ, तुम्बा और कागज की लुग्दी एवं जीर्ण–शीर्ण कपड़े से बनी अद्भुत कलापूर्ण सामग्री यहां प्रदर्शित है।

आलोच्य अवधि में देश–विदेश के सैंकड़ों दर्शनार्थियों ने कला प्रेक्षा का अवलोकन किया। तुलसी कला दीर्घा के विकास हेतु जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का भी समय–समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता।

हस्तलिखित भण्डार

जैन विश्व भारती में अनेक प्राचीन एवं दुर्लभ जैन हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध हैं। जिनकी सुरक्षा एवं संरक्षण जैन विश्व भारती के हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग के अन्तर्गत किया जा रहा है। इनकी सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि से विशेषज्ञ टीमों ने समय–समय पर दौरा कर अमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके निर्देशानुसार हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को उनकी सुरक्षा की दृष्टि से निर्मित विशेष प्रकार की लकड़ी की बनी पेटियों में रखा गया है। वर्तमान में इन पाण्डुलिपियों की संख्या 3122 है, जो 364 पेटियों में संरक्षित है। इन पाण्डुलिपियों को धर्मसंघ के आचार्यों, साध्वियों एवं मुनिवृंद द्वारा लिपिबद्ध किया गया है। इन लिपियों में ऐसे रहस्य हैं, जो वर्तमान में प्रायः लुप्त हो चुके हैं। यह दुर्लभ पाण्डुलिपियां शोधार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इन पाण्डुलिपियों में 18वीं शताब्दी के ताड़पत्र पर कन्नड़ भाषा में लिखी गई भगवद् गीता, कृष्ण–गोपी लीला आदि संग्रहित है। जैन विश्व भारती संस्थान के माध्यम से उक्त पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य पूर्णतः प्राकृतिक रसायनों के माध्यम से किया जाने का प्रोजेक्ट गतिमान है।

आलोच्य अवधि में विशेष रुप से राजस्थान पर्यटन मंत्रालय के निदेशक श्री निशांत जैन (आई.ए.एस.), जयपुर द्वारा भ्रमण किया गया।

नवीन भिक्षु विहार परियोजना का शिलान्यास

जैन विश्व भारती को आगामी वर्ष में पूज्यप्रवर के पावन प्रवास के दौरान सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। आठ वर्षो के लम्बे अंतराल के पश्चात परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का अपनी धवल सेना के साथ लाडनूं में प्रवास हो रहा है। अमृत महोत्सव एवं पूज्यप्रवर के प्रवास को ध्यान में रखते हुए जैन विश्व भारती प्रबंधन द्वारा नवीन भिक्षु विहार के निर्माण का लक्ष्य लिया गया। सुन्दर वाटिका नामक उद्यान के दक्षिणी भूभाग पर उक्त भवन का निर्माण कार्य प्रसिद्ध वास्तुविद् श्री संदीप खण्डेलवाल के निर्देशन में प्रारंभ किया गया।

इस भवन के अनुदानदाता परिवार श्री उम्मेदसिंह बोकड़िया, लाडनूं–चेन्नई के द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2021 को इस भवन का शिलान्यास शुभ मुर्हुत में किया गया। कुल 24,000 स्केवयर फीट एरिया में बनने वाले इस भवन में दो मंजिल होगी जिसमें कुल 16 कमरों एवं दो हॉल का निर्माण प्रस्तावित है। आगामी दिसम्बर 2021 तक इस भवन का निर्माण पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। भवन निर्माण अनुदानदाता श्री उम्मेदसिंह बोकड़िया, लाडनूं –चेन्नई के प्रति हार्दिक आभार। कार्य में मार्गदर्शन हेतु श्री भागचंद बरड़िया एवं श्री प्रदीप कुण्डलिया का हार्दिक आभार।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

❋ अमृत महोत्सव का वरदान

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने असीम कृपा कर जैन विश्व भारती को आगामी वर्ष 2022 में अमृत महोत्सव का वरदान प्रदान किया। पूज्य साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के साध्वी प्रमुखा के रुप में दायित्व के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव का आयोजन जैन विश्व भारती में किया जाएगा। सम्पूर्ण संस्था परिवार में हर्ष की लहर है। पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

❋ सघन वृक्षारोपण अभियान

पर्यावरण संरक्षण एवं सौन्दर्यकरण की दृष्टि से जैन विश्व भारती परिसर में सघन वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ किया गया था उसी के अनुसरण में इस वर्ष पुनः 2000 पेड़ एवं पौधे लगाए जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत नीम, टाली, नागचम्पा, गुलमोहर, अमलताश इत्यादि लगाए गए हैं। नवीन उपक्रम के रुप में पेड़ों के संरक्षण हेतु इस वर्ष समस्त पेड़ों पर नम्बर अंकन का कार्य भी करवाया गया है। जैन विश्व भारती परिसर में सघन पौधारोपण हेतु स्वयं की नर्सरी की स्थापना की गई है, इससे परिसर में पौधों का अधिक से अधिक विकास संभव होगा।

❋ अमृतम् ग्रन्थ के प्रकाशन का दायित्व

जैन विश्व भारती परम सौभाग्यशाली है कि महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ के प्रकाशन के दायित्व के पश्चात वर्तमान में साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के साध्वी प्रमुखा पद के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निर्मित होने वाले अभिनंदन ग्रंथ अमृतम् का दायित्व जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ है। कल्याण परिषद की बैठक दिनांक 29 मार्च 2021 में लिए गए निर्णय अनुसार उक्त दायित्व जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ है।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी एवं साध्वीवर्या संबुद्धयशा जी एवं साध्वी कल्पलताजी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में बनने वाले इस अभिनंदन ग्रंथ में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा बैद, जयपुर एवं न्यासी श्रीमती सूरज बरड़िया, कोलकाता को संपादकीय दायित्व प्रदान किया गया है। इस ग्रंथ के निर्माण हेतु एक समन्वय समिति का गठन किया गया है, जिसमें जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं मंत्री पदेन सदस्य रहेंगे एवं श्री धरमचंद लुंकड़ अर्थ संयोजक, श्री सुरेन्द्र चौरड़िया, श्री पुखराज बडोला, श्री विजयराज आंचलिया, श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती सूरज बरड़िया, श्रीमती चारु चौपड़ा, श्रीमती अभिलाषा आदि सदस्य के रुप में मनोनीत किए गए हैं। समन्वय समिति के समस्त सदस्य महानुभावों को कार्य दायित्व के सफलतम निष्पादन की मंगलकामनाएं।

जैन विश्व भारती कार्यालय के अन्तर्गत उक्त ग्रंथ के निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। ऐसे महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किए जाने हेतु पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता, ग्रंथ के निर्माण में महनीय मार्गदर्शन हेतु मुख्य नियोजिका जी एवं साध्वीवर्याजी एवं साध्वी कल्पलता जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

❋ भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि

चाड़वास निवासी सण्डूर– बैंगलोर प्रवासी श्री नवरत्नमल–कुमुद बच्छावत द्वारा वर्ष 2009 में अपनी माताजी की 75वें जन्मदिवस पर जैन विश्व भारती को जैन विद्या के विकास हेतु रु. 75 लाख की राशि अनुदान स्वरूप प्रदान की गई थी। यह राशि जैन विश्व भारती के अन्तर्गत 'भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि' के नाम से गठित एक विशेष कोष में जमा है, जिससे प्रति वर्ष उपार्जित ब्याज की आय को जैन विद्या के विकास संबंधी कार्यों में खर्च किया जाता है। अनुदानदाता परिवार के उदार सहयोग हेतु हार्दिक आभार। इस वर्ष आगम मंथन/साहित्य मंथन प्रतियोगिता हेतु 'भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि' से सहयोग प्राप्त हुआ, अतएव हार्दिक आभार।

❋ तपागच्छीय आचार्य गुरुदेव श्रीमद् विजय धर्मधुरंधर सूरीश्वरजी एवं दिगंबर संत आचार्य विद्यासागरजी का आगमन

तपागच्छीय आचार्य गुरुदेव श्रीमद् विजय धर्मधुरंधर सूरीश्वरजी का दिनांक 27 मई 2021 को जैन विश्व भारती में सहवर्ती संतो के साथ आगमन हुआ एवं एक दिवसीय प्रवास रहा। आचार्यजी द्वारा जैन विश्व

भारती में स्थित तुलसी कला दीर्घा, वर्धमान ग्रंथागार, साहित्य इत्यादि का अवलोकन किया गया एवं आगम संपादन के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। जैन विश्व भारती संस्थान में भी विशेष अवलोकन किया गया।

इसी प्रकार दिगंबर संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज का भी जैन विश्व भारती में आगमन हुआ।

❋ लॉकडाउन के दौरान सेवा कार्य

कोरोना से व्याप्त विषमता के दौर में सामाजिक सरोकारों के अन्तर्गत कुछ कार्य किए गए, जिसके अन्तर्गत लाडनूं क्षेत्र में व्यक्तियों में रोग–प्रतिरोधक क्षमता के विकास हेतु आयुर्वेदिक काढ़े के पैकेट का वितरण किया गया एवं प्रशासन को मास्क भेंट किए गए।

❋ विजडम वर्ल्ड का प्रोजेक्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर विजडम वर्ल्ड की संकल्पना को साकार करने हेतु राजस्थान सरकार को 150 एकड़ भूमि के आवंटन हेतु निवेदन किया गया था। उक्त प्रक्रिया को आगे बढाते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, नक्शा मय आवश्यक दस्तावेजों के प्रेषित कर दिया गया है। पूर्ण विश्वास है कि उक्त परियोजना के संकल्प को साकार रुप प्रदान कर पाएंगे।

❋ परिसर के भवनों एव अतिथिगृहों का नवीनीकरण एवं सौन्दर्यकरण

आगामी वर्ष 2022 में आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रवास को ध्यान में रखते हुए जैन विश्व भारती के अतिथिगृहों एवं भवनों के नवीनीकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य जारी है। शुभम अतिथगृह, वर्षा संजय सदन, पंजाब भवन इत्यादि का तथा जैन विश्व भारती के प्रवेश द्वार का सौन्दर्यकरण जारी है। परिसर में मीठे पानी की सुचारु आपूर्ति हेतु प्रशासन के सहयोग से बड़ी लाइन स्थापित की गई एवं 8 लाख लीटर की क्षमता वाले भूमिगत टैंक को उपयोग हेतु तैयार किया गया एवं वितरण व्यवस्था भी तैयार की गई है। इससे परिसर में मीठे पानी की समुचित आपूर्ति संभव हुई है।

सुमरेमल पटावरी चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से निर्मित सुमेरु अतिथि गृह के पूर्णतः नवीनीकरण का कार्य भी प्रारम्भ हो गया है। नवीनीकरण के समस्त कार्य स्वीकृति हेतु श्री कन्हैयालाल जैन (पटावरी), मोमासर–दिल्ली का हार्दिक आभार।

इलेक्ट्रिक पैनल के स्थापन के पश्चात जैन विश्व भारती में दिन–प्रतिदिन होने वाली समस्याओं से निजात प्राप्त हुई है। आगामी समय में विद्युत व्यवस्था को ओर अधिक सुदृढ बनाए जाने हेतु कार्य जारी है।

❋ श्रद्धाप्रणति

जैन विश्व भारती की प्रत्येक गतिविधि के सशक्त आधार हैं हमारे पूज्यवर आचार्यश्री महाश्रमणजी। पूज्यश्री द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन और संप्रेषित ऊर्जा ही हमें निरन्तर विकासोन्मुख रखती है। पूज्यप्रवर के असीम अनुग्रह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रत्येक शब्द अल्प है। हम पूज्यप्रवर के श्रीचरणों में अपनी अनंत–अनंत श्रद्धा समर्पित करते हैं। महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के पावन पथ प्रदर्शन एवं कृपादृष्टि हेतु हार्दिक कृतज्ञता। आदरास्पद 'मुख्य नियोजिका' साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, आदरणीय 'मुख्य मुनि' मुनिश्री महावीरकुमारजी एवं आदरणीय 'साध्वीवर्या' साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का विभिन्न गतिविधियों के विकास हेतु सम्यक् चिंतन एवं प्रेरक मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है, इस हेतु मुनिप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती की आध्यात्मिक गतिविधियों के सम्यक् संचालन व इसको गतिमान रखने के लिए 'प्रेक्षा प्राध्यापक' प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, 'शासनश्री' मुनिश्री धर्मरुचिजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री रजनीशकुमारजी, मुनिश्री जम्बूकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी आदि मुनिवृंद एवं साध्वीश्री जिनप्रभाजी, 'शासनगौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी, 'शासन गौरव' साध्वीश्री राजीमतीजी, साध्वीश्री कनकश्रीजी, साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि साध्वीवृंद का हमेशा मौलिक चिंतन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ सभी चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र में वर्तमान में प्रवासित सेवाकेन्द्र व्यवस्थापक मुनिश्री अमृतकुमारजी, पूर्व चाकरी में प्रवासित मुनिश्री सुमतिकुमारजी आदि मुनिवृंद का संस्था की विभिन्न प्रवृत्तियों में मार्गदर्शन तथा कार्यक्रमों में सान्निध्य प्राप्त हुआ, इस हेतु सभी मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। वर्तमान समणी नियोजिका अमलप्रज्ञाजी, पूर्व समणी नियोजिका मल्लीप्रज्ञाजी, समणीऋजुप्रज्ञाजी, समणी मधुरप्रज्ञाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी, समणी अक्षय प्रज्ञाजी, समणी स्थितप्रज्ञाजी आदि समणीवृंद का विशेष दिशा–निर्देशन समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ कृतज्ञता। इनके अतिरिक्त समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता।

❊ विनम्र श्रद्धांजलि

आलोच्य वर्ष में अनेक चारित्रात्माओं ने अपनी संयम यात्रा संपन्न कर पंडित मरण को प्राप्त किया है। मैं सभी दिवंगत चारित्रात्माओं को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उनके उतरोत्तर आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना करता हूं।

जैन विश्व भारती के परामर्शक एवं पूर्व अध्यक्ष श्री ताराचंद रामपुरिया जी को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा के मोक्षगामी होने की कामना करता हूं। आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए जैन विश्व भारती के सदस्यगण एवं उनके परिजनों को सादर श्रद्धांजलि समर्पित करता हूं।

❊ आभार ज्ञापन

जैन विश्व भारती का वार्षिक प्रतिवेदन संपन्न करने के साथ मैं उन सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने अपना अमूल्य समय और श्रम देकर संस्था की प्रवृत्तियों को उत्तरोत्तर उन्नत बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया।

मैं सर्वप्रथम जैन विश्व भारती के धीर, गंभीर व सतत् चिंतनशील प्रतिभा के धनी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार लूनियां के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिनके कुशल मार्गदर्शन में संस्था का विकास कार्य निरन्तर गतिमान रहा और गतिविधियों को विकास के नवीन आयाम प्राप्त हुए। मुख्य न्यासी श्री टी. अमरचंद जैन के उल्लेखनीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चांदरतन दुगड़ , उपाध्यक्ष श्री दौलत डागा, श्री अशोक चण्डालिया, श्री अमित कुमार नाहटा, श्री उत्तमचंद नाहटा, संयुक्त मंत्री श्री जीवनमल जैन (मालू), एवं विजयराज आंचलिया हमारी विभिन्न प्रवृत्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे, सभी के प्रति हार्दिक आभार। कोषाध्यक्ष श्री बिमलचंद भंडारी का लेखा संबंधी एवं संस्था के विभिन्न दैनिक कार्यों हेतु निरन्तर सहयोग मिलता रहा, एतदर्थ आभार। न्यासी श्री अनिल बैद, श्री कमल किशोर ललवानी, श्री पंकज पोरवाल, श्री नरपतसिंह चोरड़िया, श्री सुरेन्द्र कांकरिया, श्री गौरव जैन (मांडोत), श्री विजयसिंह डोसी, श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया से समय–समय पर प्राप्त सहयोग व सहभागिता हेतु हार्दिक आभार। पंचमण्डल के सदस्यों श्री बी. रमेशचंद बोहरा, श्री किशनलाल डागलिया, श्री रणजीतसिंह कोठारी के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

परामर्शक मण्डल के सदस्यों के समय समय पर प्रदत्त मार्गदर्शन हेतु हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती की संचालिका समिति के सभी सदस्यों के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

विमल विद्या विहार के संयोजक श्री चांदरतन दुगड़ महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल टमकोर के संयोजक श्री रणजीतसिंह कोठारी, सह संयोजक श्री अनिल बैद, श्री धनपत लूनिया़, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर केसंयुक्त संयोजक श्री पन्नालाल पुगलिया, श्री पंकज पोरवाल, समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष श्री मालचंद बेगानी, संयोजक श्री गौतम डागा, श्री सुशील बाफना, प्रेक्षा फाउण्डेशन के विभागाध्यक्ष श्री अशोक चिंडालिया, श्री राजेन्द्र मोदी, श्री अमित जैन, आदर्श साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्री पुखराज बडोला, शोध विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मदनचंद दुगड़, परिसर निर्माण एवं देख–रेख कार्य समिति के संयोजक श्री विजयसिंह डोसी, श्री जीवनमल जैन (मालू) , जैन विश्व भारती एजुकेशनल एडवाइजरी समिति के सदस्य श्री चांदरतन दुगड़, श्री टी.अमरचंद लुंकड, श्री अरविन्द संचेती, श्री रणजीतसिंह कोठारी, श्री अशोक चिंडालिया, श्री गौरव जैन (मांडोत), डा. मनजीत जैन, डा. संजय जैन, समन्वय समिति के संयोजक प्रो. बच्छराज दुगड़, सह संयोजक श्री नौरतनमल दुगड़, श्री सुखराज सेठिया आदि ने जैन विश्व भारती की गतिविधियों को अपने श्रम, सहयोग एवं

सहभागिता से गति प्रदान की है, एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती के निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती आदि का समय–समय पर बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ, एतदर्थ हार्दिक आभार। सभी केन्द्रीय एवं स्थानीय संघीय संस्थाओं से प्राप्त सहयोग के लिए हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों, इकाईयों, आयोजनों आदि में समाज के उदारमना महानुभावों ने मुक्तहस्त सहयोग प्रदान कर संस्था की विकास यात्रा को गति प्रदान की है। उन सभी अनुदानदाताओं के प्रति बहुत–बहुत आभार जिनके उल्लेखनीय सहयोग से संस्था ने विकास के नये पायदान पर आरोहण किया।

जैन विश्व भारती के अंकेक्षक के रूप में एन. के. बोरड़ एण्ड कंपनी, जयपुर की सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद।

राजस्थान सरकार, नागौर जिला प्रशासन, नगरपालिका मण्डल, लाडनूं, स्थानीय प्रशाासन, रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटी, लाडनूं के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों, लाडनूं की सभी संघीय एवं सामाजिक संस्थाओं एवं स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद। वर्तमान विधायक श्री मुकेश भाकर का समय–समय पर सहयोग प्राप्त रहा ,अतएव हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) परिवार के सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती की कार्यालय सचिव डॉ. विजयश्री शर्मा का विभिन्न प्रवृत्तियों एवं व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। लेखा संबंधी कार्य में लेखा विभाग के प्रमुख श्री दिनेश सोनी, श्री जयप्रकाश सांखला एवं कार्यालय सहायक व सेवा केन्द्र व्यवस्थापक के रुप में श्री संजय बोथरा, कम्प्यूटर संबंधी कार्यों में श्री चांदरतन गोयल परिसर की व्यवस्थाओं में श्री सुशील मिश्रा, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री संपतराज खटेड़, श्री भूराराम देवासी, भोजनशाला संबंधी व्यवस्थाओं में श्री अरविन्द चोपड़ा, श्री मनोज जांगीड़, भण्डार संबंधी कार्यों में श्री जोगेन्द्र सिंह सांखला, बिजली–पानी संबंधी व्यवस्थाओं में श्री भवानीशंकर आदि ने निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है। सभी कर्मीगण प्रदत्त दायित्व का निष्ठाभाव से निर्वहन करते हैं, जिनसे संस्था की गतिविधियों को गति प्राप्त होती है। सभी कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

केन्द्र के साथ संवादों के संप्रेषण में श्री हेमन्त बैद, श्री नंदराम सिमार, श्री बबलू का भी निरन्तर सहयोग मिलता रहा, इस हेतु आभार। जैन विश्व भारती की सूचनाओं एवं समाचारों के संप्रेषण व्यवस्थित और नियमित रूप से करने हेतु स्थानीय सभी दैनिक समाचार पत्रों एवं अखिल भारतीय तेरापंथ टाईम्स, विज्ञप्ति, अणुव्रत आदि सभी संघीय एवं सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं के प्रति आभार। संस्कार चैनल व पारस चैनल पर सूचनाओं व कार्यक्रमों के प्रसारण में सहयोग हेतु अमृतवाणी के प्रति आभार। जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों की जानकारी सोशल मीडिया नेटवर्क संघ संवाद एवं जैन तेरापंथ न्यूज, एम.एम.बी.जी एवं अमर रहेगा धर्म हमारा के माध्यम से वृहद् रूप में प्रसारित करने हेतु दोनों टीमों को सहयोग हेतु आभार। जैन विश्व भारती की विविध गतिविधियों के समाचारों हेतु स्थानीय मीडियाकर्मियों का आभार।

जैन विश्व भारती सेवा केन्द्र में विराजित मुनिवृंद की अपेक्षानुसार चिकित्सा में डॉ. विजयसिंह घोड़ावत पूर्ण जागरूकता के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. घोड़ावत की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। मंगलम चिकित्सालय के पूरे प्रबंधन एवं डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की पूरी टीम के सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। कोविड वैक्सीनेशन में राजकीय चिकित्सालय के बी.सी.एम.ओ. डॉ. मूलचंद चौधरी के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

मैं उपर्युक्त सभी तथा ज्ञात–अज्ञात रूप से अनेक रूपों में सहयोगी समस्त महानुभावों एवं संपूर्ण श्रावक–श्राविका समाज को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं एवं आशा करता हूं कि जैन विश्व भारती को आप सबका सक्रिय सहयोग, सद्भावना एवं मार्गदर्शन निरन्तर मिलता रहेगा।

आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ–

ओम अर्हम्

प्रमोद बैद

मंत्री

स्वर्ण जयंती वर्ष
1971-2021

बारम्बार क्षमा याचना

जैन विश्व भारती परिवार
लाडनूं

जैन विश्व भारती

(मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था)

प्रमुख गतिविधियां : एक नजर

शिक्षा :

- जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)
- विमल विद्या विहार सीनियर सैकण्डरी स्कूल
- महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर
- महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर
- जैन विद्या अध्ययन–अध्यापन, प्रचार–प्रसार
- आगम मंथन प्रतियोगिता

सेवा :

- सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला
- श्रीमद् आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र, बीदासर
- विद्युत चुम्बकीय चिकित्सा केन्द्र
- समणी केन्द्र व्यवस्था

साहित्य :

- प्रकाशन एवं वितरण
- ऑन लाईन साहित्य विक्रय केन्द्र
- वेब पोर्टल पर साहित्य की उपलब्धता

समन्वय :

- पुरस्कार एवं सम्मान
- विदेशों में प्रचार–प्रसार

संस्कृति :

- तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलेरी)

शोध :

- आगम सम्पादन
- हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपियों की सुरक्षा एवं संरक्षण

साधना :

- प्रेक्षाध्यान
- प्रेक्षाध्यान पत्रिका

उक्त सभी गतिविधियों में संपूर्ण समाज की सहभागिता एवं सहयोग हेतु सादर निवेदन

जैन विश्व भारती

पोस्ट : लाडनूं – 341306, जिला : नागौर (राजस्थान)
फोन :+91 1581 226080 / 224671
Email : jainvishvabharati@yahoo.com | ladnun@jvbharati.org
Website : www.jvbharati.org